पेज : 8

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 341 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

'मैं बताती हूं कि कैसे नहीं आना', रात्रि प्रवास कार्यक्रम में एक्सईएन व एसडीओ के ना आने पर भड़की डीसी

फतेहाबाद : फतेहाबाद के गांव ढाणी ढाका और ईस्सर में प्रशासन के द्वारा रात्रि प्रवास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें फतेहाबाद की डीसी मनदीप कौर और फतेहाबाद की एसपी आस्था मोदी अधिकारियों सहित गांव में पहुंची और देर रात तक ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने अपनी 41 समस्याएं और मांगे रखी, जिन्हें जल्द हल करने का प्रशासन के द्वार आश्वासन दिया गया है। वहीं इस रात्रि प्रवास कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सईन और एसडीओ नदारद थे, जिसको लेकर डीसी भड़क गई और उन्होंने कहा कि नदारद रहने वाले अधिकारियों को मैं बताती हूं कि कैसे नदारत रहा जाता है। वहीं ग्रामीणों के द्वारा गांव के ट्यूबवेल के माध्यम से गांव में से हो रही अधिक टीडीएस वाले पानी की सप्लाई की समस्या रखी गई। जिसको लेकर डीसी ने जन स्वास्थ्य विभाग के जेई को भी जमकर फटकार लगाई।

अगला दशक उत्तराखंड का होगा, बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद इसे वास्तविकता में बदल रहा: पीएम मोदी

उत्तराखंड (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड के दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम को बढ़ावा देते हुए लोगों को उत्तराखंड पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि कोई भी मौसम ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए। हरसिल में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यटकों को सर्दियों में उत्तराखंड के "वैभव" को देखने की जरूरत है, उन्होंने इसे 'बारह महीने' बनाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगला दशक उत्तराखंड का होगा और बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद इसे वास्तविकता में बदल रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाने की जरूरत है और हमें इसे 'बारहमासी', यानी 365 दिन

बनाने की जरूरत है। यह उत्तराखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं चाहता हूं कि उत्तराखंड में कोई भी सीजन ऑफ-सीजन न हो। यहां तक कि ऑफ-सीजन के दौरान भी पर्यटन जारी रहना चाहिए।" उन्होंने कहा, "जैसा कि आप सभी जानते हैं, मार्च, अप्रैल, मई और जून के महीनों में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, लेकिन उसके बाद संख्या कम हो जाती है। सर्दियों में, होटल, रिसॉर्ट, होमस्टे खाली रहते हैं, इससे असंतुलन पैदा होता है। अगर लोग सर्दियों में देवभूमि की यात्रा करेंगे, तो वे उत्तराखंड के गौरव के साक्षी बनेंगे।" प्रधानमंत्री ने यह विश्वास भी दोहराया कि अगला दशक उत्तराखंड का होगा और केदारनाथ का आशीर्वाद इसे वास्तविकता में बदल रहा है। कुछ वर्ष पहले जब मैं बाबा केदारनाथ के चरणों में दर्शन के लिए गया था, तो बाबा के दर्शन और पूजा के बाद अचानक मेरे मुंह से कुछ भाव निकले और मैंने कहा कि ये दशक उत्तराखंड

कहा कि कोई भी मौसम ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड के दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम को बढ़ावा देते हुए लोगों को उत्तराखंड पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि कोई भी मौसम ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए।

का दशक होगा। पीएम मोदी ने कहा, "वो शब्द मेरे थे, भावनाएं मेरी थीं लेकिन उनके पीछे ताकत देने वाली शक्ति स्वयं बाबा केदारनाथ ने दी थी। मैं देख रहा हूं कि बाबा केदार के आशीर्वाद से वो शब्द, वो भावनाएं धीरे-धीरे हकीकत में बदल रही हैं। ये दशक उत्तराखंड का दशक बन रहा है।" इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने केदारनाथ रोपवे परियोजना और हेमकुंड रोपवे परियोजना का उल्लेख करते हुए 'डबल इंजन' सरकार के तहत राज्य में हुए विकास पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने कहा, "हमारी डबल इंजन सरकार उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए मिलकर काम कर रही है। पिछले 10 वर्षों में राज्य में चारधाम ऑल वेदर रोड, आधुनिक एक्सप्रेसवे, रेलवे, विमान और हेलीकॉप्टर सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है।

कल ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केदारनाथ रोपवे परियोजना और हेमकुंड रोपवे परियोजना को मंजूरी दी है। केदारनाथ रोपवे के निर्माण के बाद जो यात्रा 8 से 9 घंटे में पूरी होती थी, वह अब लगभग 30 मिनट में पूरी हो जाएगी। इससे बुजुर्गों और बच्चों के लिए केदारनाथ यात्रा आसान हो जाएगी।" प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के चमोली जिले में हुए हिमस्खलन के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं कुछ दिन पहले माणा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना और इसमें जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं... इस कठिन परिस्थिति में देश ने जो एकता दिखाई , उससे पीड़ित परिवारों को बहुत ताकत मिली।" उत्तराखंड सरकार ने इस साल शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम शुरू किया है।

दिल्ली की शिक्षा मॉडल में होगा बदलाव, सेफ स्कूल गाइडलाइंस समेत इन चीजों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी): आने वाले समय में दिल्ली के स्कूलों की व्यवस्थाओं में बड़ा बदलाव देखने की मिल सकता है। स्कूलों के आसपास के माहौल को बेहतर बनाने के लिए सेफ स्कूल गाइडलाइंस जारी हो सकती हैं और बच्चों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी भी स्थापित की जा सकती हैं। दिल्ली सरकार आगामी विकसित दिल्ली बजट में इस तरीके के प्रविधान कर सकती है। बुधवार को दिल्ली सचिवालय में शिक्षाविदों के साथ विकसित दिल्ली बजट को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ हुई बैठक में इस तरीके के सुझाव सामने आए हैं। 'बच्चे अपनी जिम्मेदारी समझेंगे' जिसमें दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर फोकस किए जाने पर चर्चा हुई है। यहां तक कि शिक्षाविद सीबी मिश्रा

ने यमुना की सफाई से लेकर पार्कों को बेहतर बनाने तक को स्कूलों के बच्चों की मदद लेने तक के सुझाव दिए हैं। उनका मानना है कि इससे बच्चे अपनी जिम्मेदारी समझेंगे और शहर के विकास में भी योगदान दे सकेंगे। इस तरीके के कार्यक्रमों से बच्चों में अपने शहर के प्रति सम्मान की भावना भी बढ़ेगी। पूर्व में स्कूलों को मिलीं आतंकी धमकियों को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई और इस तरह की समस्याओं से निपटने को लेकर भी आगामी बजट में प्रविधान करने की बात हुई है। वरिष्ठ शिक्षाविद भरत अरोरा कहते हैं कि स्कूलों को मिल रही धमकियां एक गंभीर मुद्दा है। इसे लेकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्कूलों के आसपास माहौल इस तरह का होना चाहिए कि सुरक्षा की दृष्टि से वहां किसी प्रकार की गतिविधियों को मंजूरी नहीं मिलनी चाहिए। दिल्ली में जो स्थिति पूर्व में हुई है। उसके बाद से सेफ स्कूल गाइडलाइंस यानी स्कूलों के बाहर की व्यवस्थाओं को लेकर दिशा निर्देश जारी किए जाने की समीक्षा किया जाना जरूरी है और इसे लेकर बजट में प्रविधान भी किए जाने चाहिए। स्कूलों के लोगों को प्रशिक्षण भी इसमें शामिल है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो देश में सर्वोत्तम हो। इस दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री ने आए सुझावों को सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि वर्षों से चली आ रही चुनौतियों पर खुलकर चर्चा हुई है और कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं।

कांग्रेस विधायकों को इस बार भी अपना नेता मिलना संभव नहीं, हाईकमान के पाले में गेंद; उदयभान को जीवन दान

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार से आरंभ हो रहा है, मगर इस बजट सत्र में भी कांग्रेस विधायक बिना विपक्ष के नेता के बैठे दिखाई दे सकते हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने अभी ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं, जिनसे विधायकों को यह भरोसा हो सके कि विधायक दल के नेता का चयन आजकल में हो जाएगा। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष को बदलने का मामला भी कुछ दिनों तक ठंडा रह सकता है। कांग्रेस के नये प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने राज्य के करीब 50 प्रमुख नेताओं से वन-टू-वन चर्चा करने के बाद अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सौंप दी है। अक्टूबर 2024 से विपक्ष के नेता के चयन का मामला लटका हुआ

है। कांग्रेस विधायकों का गिरेगा मनोबल कांग्रेस प्रभारी की इस रिपोर्ट पर अब खरगे और राहुल को फैसला लेना है। विधानसभा के बजट सत्र से पहले गुरुवार को चंडीगढ़ में कांग्रेस विधायकों की बैठक बिना विधायक दल के नेता की हुई। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने यह बैठक ली। हालांकि, विपक्ष के पूर्व नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी इस बैठक में विधायक के नाते शामिल हुए, लेकिन शाम पांच बजे के बाद हुई इस बैठक से पहले उम्मीद की जा रही थी कि कांग्रेस नेतृत्व विधायक दल के नेता का नाम घोषित कर देगा। मगर ऐसा नहीं हो पाया। यदि शुक्रवार तक भी कांग्रेस विधायक दल के नेता का नाम घोषित नहीं हुआ तो कांग्रेस को न केवल विधानसभा में सत्ता पक्ष की हंसी का पात्र बनना पड़ेगा, बल्कि कांग्रेस विधायकों का मनोबल भी गिर चुका होगा। कांग्रेस विधायक दल का नेता ही विधानसभा में विपक्ष का नेता होगा। राज्य में कांग्रेस के 37 विधायक चुनकर आए हैं। इनमें अधिकतर विधायक पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के समर्थक हैं, लेकिन बीरेंद्र सिंह, कैप्टन अजय यादव, कुमारी सैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सुरेश गुप्ता और रामकिशन गुर्जर समर्थक कुछ नेता नहीं चाहते कि हुड्डा को विधायक दल का नेता बनाया जाए। हुड्डा समर्थक दो से तीन विधायक भी इस हक में नहीं हैं, लेकिन अधिकतर हुड्डा समर्थक विधायकों की राय है

पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग: भारत ने दिया दो टूक जवाब- पहले चुराया पाक खाली करो

नई दिल्ली (एजेंसी): पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर राग अलाप रहा है जिसका भारत ने दिया दो-टूक जवाब देकर उसकी बोलती बंद कर दी है। पाकिस्तान ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की कश्मीर पर दी गई टिप्पणी को बेबुनियाद" करार देते हुए इसे खारिज कर दिया और कश्मीर के इस विवादित हिस्से का समाधान करने की मांग की। जयशंकर ने बुधवार को लंदन में चैथम हाउस थिंक-टैंक के एक सत्र में कहा था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में इस टिप्पणी को नकारा और भारत से जम्मू-कश्मीर के उस हिस्से को खाली करने की अपील की, जिस पर उसने कब्जा कर रखा है। खान ने कहा, हम पांच मार्च को लंदन के

चैथम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में भारत के विदेश मंत्री द्वारा जम्मू-कश्मीर के बारे में की गई टिप्पणी को खारिज करते हैं। उन्होंने आगे कहा, भारत को आजाद जम्मू-कश्मीर पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय, अपने कब्जे में रखे जम्मू-कश्मीर के एक बड़े हिस्से को खाली कर देना चाहिए, जो पिछले 77 वर्षों से उनके कब्जे में है। जयशंकर ने चैथम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में यह भी कहा था, अनुच्छेद-370 को हटाना पहला कदम था, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था, और चुनाव कराना तीसरा कदम था, जिसमें भारी मतदान हुआ। कश्मीर मुद्दे के समाधान पर श्रोता के सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हम जिस चीज का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी है, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है।

मराठी भाषा को लेकर बढ़ा विवाद, उद्धव ठाकरे बोले- आरएसएस के इस नेता पर दर्ज हो राजद्रोह का केस

मुंबई (एजेंसी): शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मराठी भाषा पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता सुरेश भैयाजी जोशी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए मांग की कि उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने यहां विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए यह भी आरोप लगाया कि जोशी की टिप्पणी मुंबई को विभाजित करने के आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के छिपे हुए एजेंडे को दशार्ती है। 'मुंबई के हर हिस्से की भाषा अलग-अलग' जोशी ने बुधवार को यहां घाटकोपर इलाके में एक कार्यक्रम में कहा था, मुंबई में कोई एक भाषा नहीं है। मुंबई के हर हिस्से की अलग-अलग भाषा है। घाटकोपर इलाके की भाषा गुजराती है। इसलिए अगर आप मुंबई में रहते हैं तो यह जरूरी नहीं है कि आपको मराठी सीखनी पड़े।" आलोचना के बाद बोले- मराठी मेरी मातृ भाषा इस टिप्पणी की विपक्ष द्वारा कड़ी

आलोचना किये जाने के बाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मराठी मुंबई की भाषा है और बाहर से आने वाले एवं अन्य भाषाएं बोलने वालों को भी इसे समझना चाहिए। जोशी ने कहा, मराठी मेरी मातृ भाषा है और मुझे इस पर गर्व है।" जोशी ने साथ ही कहा कि घाटकोपर कार्यक्रम में की गई उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से समझा गया। ठाकरे ने जोशी पर साधा निशाना ठाकरे ने जोशी पर निशाना साधते हुए कहा, उन्होंने (पिछले कुछ समय से) भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं उठाया है, लेकिन यह बटेंगे तो कटेंगे' का मुद्दा है। यह सिर्फ मराठी बनाम गैर-मराठी का मुद्दा नहीं है बल्कि मराठा बनाम गैर-मराठा और राज्य पर कब्जा करने का मुद्दा भी है।" पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने नारा लगाया था, बटेंगे तो कटेंगे।" ठाकरे ने जोशी को गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल में ऐसे बयान देने और सुरक्षित वापस आने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सिर्फ इसलिए कि मराठी मानुष' सभी का स्वागत करता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी उस पर हमला कर सकता है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता ठाकरे ने कहा, भाजपा को मराठी मानुष की कोई परवाह नहीं है क्योंकि उसे पता है कि वह उनके लिए वोट करेगा। यह परपीड़क मानसिकता है जो सामने आ गई है। यह मुंबई को तोड़ने की एक चाल है।" उन्होंने कहा, उन पर राजद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए। मैंने (मुख्यमंत्री के रूप में) राज्य में मराठी को अनिवार्य बनाने के लिए एक कानून बनाया था। यह (उनकी टिप्पणी) कानून के खिलाफ है।' ' ठाकरे ने जोशी की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार को या तो जोशी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए या फिर इस पाप" को स्वीकार करना चाहिए।

देशभर में कितनी संपत्ति की मालिक है कांग्रेस? नई कमेटी लगाएगी पता

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी अचल संपत्तियों के प्रबंधन और निगरानी को व्यवस्थित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देशभर में फैली कांग्रेस की संपत्तियों की देखरेख के लिए एक नया विभाग गठित करने की घोषणा की है। इस विभाग को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तहत स्थापित किया गया है और इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य पार्टी की संपत्तियों का सही लेखा-जोखा तैयार करना, उनकी मौजूदा स्थिति की समीक्षा करना और उनके उचित रखरखाव को सुनिश्चित करना है।

विजय इंदर सिंगला को मिली जिम्मेदारी

इस विभाग की जिम्मेदारी पूर्व सांसद और पंजाब सरकार में मंत्री रह चुके विजय इंदर सिंगला को सौंपी गई है। सिंगला वर्तमान में एआईसीसी के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी हैं और अब उन्हें कांग्रेस की संपत्तियों के प्रबंधन की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए हैं, जिसमें सिंगला को इस नए विभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

क्यों लिया गया यह फैसला?

कांग्रेस के पास देशभर में कई कार्यालय, भवन, जमीन और अन्य

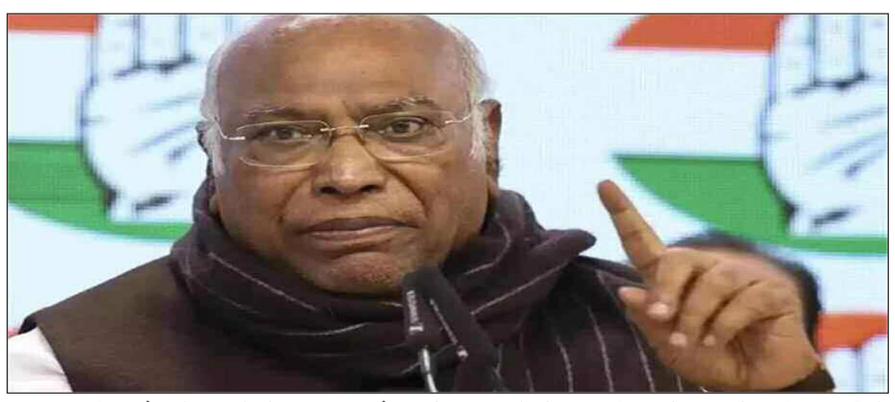

अचल संपत्तियां हैं, जो दशकों से पार्टी के संचालन का आधार रही हैं। हालांकि, इन संपत्तियों की सटीक संख्या और उनके मूल्य को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। इस नए विभाग के गठन से पार्टी की संपत्तियों का व्यवस्थित ब्यौरा तैयार किया जाएगा, उनकी उपयोगिता का

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी अचल संपत्तियों के प्रबंधन और निगरानी को व्यवस्थित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देशभर में फैली कांग्रेस की संपत्तियों की देखरेख के लिए एक नया विभाग गठित करने की घोषणा...

मूल्यांकन किया जाएगा और उनके बेहतर प्रबंधन की योजना बनाई जाएगी। इससे न केवल पार्टी की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी, बल्कि भविष्य में इन संसाधनों का सही उपयोग भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

चुनाव से पहले कांग्रेस की बड़ी रणनीति

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कांग्रेस कई राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है। बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में अगले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए पार्टी अपनी रणनीति को मजबूत कर रही है। इस नए विभाग के जरिए पार्टी अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रबंधन कर सकेगी और चुनावी तैयारियों के लिए संसाधनों का सही इस्तेमाल करने में सक्षम होगी। विजय इंदर सिंगला के नेतृत्व में यह विभाग देशभर में कांग्रेस की संपत्तियों की सूची तैयार करेगा, उनकी कानूनी स्थिति की जांच करेगा और उनका सही मूल्यांकन करेगा। इससे पार्टी को न केवल अपनी विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह भी स्पष्ट होगा कि कांग्रेस के पास वास्तव में कितनी संपत्ति है और उसका सही तरीके से उपयोग कैसे किया जा सकता है। आने वाले दिनों में इस कमेटी की रिपोर्ट से कांग्रेस के आर्थिक ढांचे और संपत्ति प्रबंधन की स्थिति पर और अधिक स्पष्टता मिलने की उम्मीद है।

नशे के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध कारगर साबित हो

ललित गर्ग

दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र-गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।

ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ह्यमादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षाह्ल पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?ह्ल सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ह्यड्रग्स-फ्री इंडियाह्ल अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज कर-के एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब ह्यनशीले पदार्थों की राजनीतिह्ल के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रतीत होता है कि सरकार एवं ड्रग्स माफिया का चोली दामन का संबंध है। जिससे समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। प्रदेश में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। अकेले एसटीएफ ने पंजाब भर में अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर 2 करोड़ 68 लाख 77 हजार 596 कैप्सूल व नशीली दवाइयां पकड़ी हैं। कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन ज्यादातर फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला क्षेत्र में बढ़ा है।

पूर्व सरकारों ने जो दावे किए वे प्रभावहीन ही रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अतुल सुभाष की मौत से उठते सवाल

इन दिनों भारत में लोगों के बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया एक सुसाइड वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलुरु में रह रहे अतुल सुभाष ने अपना एक सुसाइड वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उसने बताया कि उसकी पत्नी पत्नी के परिवार वाले और तो और फैमिली कोर्ट के न्यायाधीश में उसे ऐसी मनोदशा में ले गई कि सुभाष ने अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर दिए। इस सुसाइड केस के बाद सोशल मीडिया से लेकर चाय की टपरी तक चर्चा का विषय बना हुआ है की लड़कियां लड़कों पर झूठ आरोप लगाकर उसे कानूनी उलझन और जेल भिजवा देता है। आप लोगों का यहां तक करना है कि यहां कुछ भी सिस्टम नहीं कीजिए ऐसी न्यायपालिका प्रणाली । अतुल सुभाष की सोशल मीडिया पर एकादशी मिनट का पोस्ट किया हुआ वीडियो के साथ 24 पन्नों का सुसाइड नोट जिसमें उसने अपनी पूरी दर्द भरी व्यथा का डाली। इस सबसे भी कुछ नहीं बदलने वाला है सॉरी अतुल या यहां कुछ नहीं बदलने वाला है। जीन माता-पिता और परिवार को तुम जिस सिस्टम के क्रूर पंजों से बचने के लिए अपनी जान दे गए क्या वह बुजुर्ग अब न्याय मिल पाएगा। देखो तो तुम्हारी मां बेंगलुरु में शमशान घाट पर तुम्हारे अंतिम विदाई को देखकर किस कदर बेहोश पड़ी हुई है। बहुत तालाब है कि एक मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बी दवाई में कहा था कि नागपुर में एक ऐसे ही मामला देखा था जिसमें एक लड़का अमेरिका गया था और उसे शादी किए बिना ही 50 लख रुपए देने पड़े थे वह एक दिन भी साथ नहीं रहा। मैं खुले तौर पर कहता हूं कि घरेलू हिंसा और 498 ए का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाता है वही जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस एन किश्वर सिंह की पीठ ने भी तेलंगाना के एक मामले में सुनवाई करते हुए कभी भी कहीं थी। मुंबई हाई कोर्ट में 4 98 ए के दुरुपयोग पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि दादा दादी और विस्तार पर पड़े लोगों को भी इस कानून के दुरुपयोग के द्वारा फसाया जा रहा है आपको बता दे कि दहेज ऊपर था को रोकने के उद्देश्य से हमारे देश में कई कानून बनाए गए है।आपको बता दे कि दहेज प्रथा को रोकने के उद्देश्य से हमारे देश में कई कानून बनाए गए हैं असहाय महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम करने के लिए कानून बनाने पर जोर दिया गया था इसके चलते दहेज निषेध अधिनियम 1961 बनाया गया। दहेज की मांग के बाद घरेलू हिंसा से महिलाओं को बचाने के लिए महिला संरक्षण अधिनियम 2005 पारित किया गया इसके साथ ही पुरानी आईपीसी में दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए कई प्रावधान किए गए आपको बता दे कि कानून पारित होते ही दे आगे उत्पीड़न के हजारों मामले दर्ज होने लगे कई बार यह विवाहित महिलाओं के लिए सुरक्षा के बजाय हथियार का काम करने लगा है जिस पर आधारितों ने समय-समय पर चिंता जाहि की है। पिछले दिनों नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत पूछे गए प्रश्न के उत्तर से एक खबर सामने आई थी कि एक साल में तकरीबन सवा लाख मुकदमे झूठे पाए गए जिस से इन मुकदमों में फंसे गए लोगों का जीवन एक तरीके से तबाह हो गया। आखिरकार कानून में इतनी खामियां क्यों है कोई भी किसी के खिलाफ जुकाम मुकदमा दर्ज कर देता है स्त्री रक्षा संबंधित कानून के तहत जिन पुरुषों और उनके घर वालों को मुकदमे में जलने पड़ते हैं उनकी तकलीफों का कहना ही क्या है कितने मामलों में यदि पुरुष विवाहित है तो पटिया ही घर छोड़कर चली जाती है जिसके बाद कई पुरुषों ने अपनी जीवन या राजपूत समाप्त कर देते हैं या फिर मानसिक दशा इस कदर हो जाती है कि जो मौत से भी बढ़कर होता है की पुलिस को सच्चाई का मालूम नहीं होता है लेकिन नाम ना बताने के शर्त पर पुलिस के अधिकारी ने बताया कि अगर किसी महिला ने ऐसा मामला दर्द करवाया है तो हमारा हाथ बंधा हुआ है सर सब जानते हुए भी वह कुछ नहीं कर सकते हैं दहेज प्रार्थना और रुस्तम के मामलों मामलों में महिलाओं को तरह से कम और पुलिस का सहायता चाहिए लेकिन बदले में भावना किसी पर कोई आप लगा देना सही नहीं है ।

अमृता आर. पंडित

जन औषधि दिवसः इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम करता है जन औषधि

कुमार कृष्णन

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाइयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का मुख्य मकसद जन औषधि परियोजना के तहत देश की जनता को उच्च गुणवत्ता युक्त जैनेरिक दवाईयां सस्ते दामों पर उपलब्ध कराना है। जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा देना जिससे प्रति व्यक्ति इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम किया जा सके। पिछले 10 वर्षों में जन औषधि परियोजना ने आम जनता के लगभग 30 हजार करोड़ रुपए बचाये है।भारतीय औषधि और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवि दाधीच के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में 1236 करोड़ रुपए की दवाईयाँ जन औषधि केंद्रों के माध्यम से बेची जा चुकी हैं, जिसके माध्यम से देश की आम जनता के लगभग 7000 करोड़ रुपए बचा चुके हैं क्यूंकि जन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाइयों की कीमतें बाजार में बिक रही दवाइयों की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक कम हैं। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2023-24 में 1470 करोड़ रुपए की बिक्री की गयी है जिससे आम जनता के लगभग 7350 करोड़ रुपए बचाये गए हैं। चालू वित्त वर्ष में 28.02.2025 तक 1767 करोड़ रुपए की बिक्री कर ली गयी है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत सभी को सस्ते मूल्यों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जेनेरिक औषधियों को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं । देश भर में 28.02.2025 तक 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं । इन केंद्रों में सरकार द्वारा खरीदी गयी जेनेरिक दवाइयां बेचीं जा रही हैं जिनके मूल्य खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाइयों के मूल्यों की तुलना में 50-80 प्रतिशत तक कम होते हैं। वर्तमान में इन केंद्रों पर 2047 दवाइयां एवं 300 अन्य सर्जिकल आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना बिहार के नोडल पदाधिकारी कुमार पाठक के अनुसार प्रधानमंत्री जन औषधि योजना अंतर्गत अभी तक सभी प्रमुख श्रेणियों की दवाईयां जैसे कि मधुमेह, रक्तचाप, गैस्ट्रो ,आदि की दवाएं उपलब्ध हैं। जनऔषधि केन्द्रो से बिकने वाली दवाइयों के प्रत्येक बैच को एन ए बी एल प्रत्यायित प्रयोगशालाओं से परीक्षण कराया जाता है। वहीं पी. एम. बी. आई. ने आयुष प्रोडक्ट्स जैसे त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा और च्यवनप्राश स्पेशल जैसे प्रोडक्ट्स भी सस्ते दामों पर जन औषधि केंद्रों के जरिये उपलब्ध कराये हैं। पी एम बी आई. अनेक प्रकार के फूड प्रोडक्ट्स जो की एफ एस एस आई के अंतर्गत आते हैं उनको भी जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध करवाता है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत 29 से भी ज्यादा विशिष्ट श्रेणियों की दवाइयों को रखा गया है। जैसे एंटीबायोटिक्स और एंटी-इन्फेक्टिव, एंटी-एलर्जिक, एंटी-कैंसर, गैस्ट्रो-आंत्र एजेंट ,एंटी डायबिटिक, विटामिन और मिनरल्स, कार्डियोवैस्कुलर दवाएं, फूड सप्लीमेंट्स/ न्यूट्रास्यूटिकल्स, एनाल्जेसिक और एंटीपीयरेटिख टोपिकल मेडिसिन्स इत्यादि।

वहीं 300 सर्जिकल उपकरण एवं अन्य उत्पादों को भी रखा गया है। इनमें मास्क, टांके, आर्थोपेडिक रिहैबिलिटेशन प्रोडक्ट्स, डायपर, सर्जिकल ड्रेसिंग, रबर ग्लव्स, सीरिंज और सुई,ऑक्सीमीटर, सैनिटरी नैपकिन, रैपिड एंटीजन टेस्ट किट हैं।इन दवाइयों को डब्लू एच ओ - जी एम पी सर्टिफाइड दवा उत्पादक कंपनियों से ही खरीदा जाता है। देश के हर हिस्से में दवाइयां पहुंचने के लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था की गयी है जिसके लिए डब्लू एच ओ गाइडलाइन्स पर आधारित केंद्रीय गोदाम गुरुग्राम एवं चार क्षेत्रीय गोदाम जो की गुवाहाटी, सूरत, चेन्नई एवं बेंगलुरु में उपस्थित हैं। इसके अलावा 36 डिस्ट्रीब्यूटर की भी नियुक्ति की गयी गई है जहाँ से देश भर के जन औषधि केंद्रों को दवाइयां मुहैया कराई जाती है । केंद्रीय गोदाम, क्षेत्रीय गोदाम, डिस्ट्रीब्यूटर एवं जन औषधि केंद्रों को पूरी तरह से एस.ए.पी आधारित सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है साथ ही साथ सभी केन्द्रो पर पॉइंट ऑफ सेल सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन भी लगाया गया है जिससे दवाइयों की आपूर्ति ठीक तरह से हो सके एवं देश के किसी भी केंद्र पर दवाइयों की कमी न हो। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का विस्तार करते हुए अब तक देश में 15000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, जन औषधि परियोजना के तहत अब तक पूरे देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिले इस योजना के तहत लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार ने इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर मार्च 2027 तक 25000 करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के द्वारा रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है ।

जन औषधि केंद्र कोई भी व्यक्तिगत व्यक्ति, फार्मासिस्ट, उद्यमी, एनजीओ, ट्रस्ट, सोसाइटी, इंस्टीट्यूशन इत्यादि, जिनके पास 120 वर्ग फुट की दुकान हो एवं एक प्रशिक्षित फार्मासिस्ट उनके पास हो, जन औषधि केंद्र खोल सकता है। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदन आधिकारिक वेबसाइट janaushadhi.gov.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन करने के पश्चात पी. एम. बी. आई. हेड ऑफिस से प्रिंसिपल अप्रूवल लेटर जारी किया जाता है जिसके आधार पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के नाम पर लाइसेंस लेने के लिए लाइसेंसिंग अथॉरिटी को अप्लाई कर सकते हैं। लाइसेंस मिलने के बाद आप पी. एम. बी. आई. से दवाइयां ले सकते हैं।जन औषधि केंद्र संचालक को सरकार की तरफ से मासिक खरीद पर 20% की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिसकी अधिकतम सीमा 20,000/- रुपये प्रति माह होगी। इसे दवाओं की न्यूनतम भंडारण अनिवार्यता से जोड़ा गया है। महिला उद्यमी, विकलांग, सेवानिवृत सैनिक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, नार्थ ईस्टर्न स्टेट्स, पर्वतीय क्षेत्रों के आवेदकों को 2.00 लाख रुपए की वित्तीय सहायता उनको केंद्र तैयार करने के लिए अलग से दी जाती है। बिक्री करने के लिए एक सॉफ्टवेयर भी दिया जाता है। प्रचार-प्रसार सामग्री भी केंद्र संचालक को उपलब्ध कराई जाती है। उद्यमिता और फ्रेंचाइजी मॉडल पर आधारित यह योजना नियमित कमाई के साथ-साथ स्वरोजगार का एक अच्छा स्रोत भी प्रदान कर रही है। भारत में जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं, इसलिए नियमित आधार पर बिक्री बढ़ रही है जिससे उद्यमियों को अधिक आय का लाभ हो रहा है।

मुद्दाः जरूरी हैं क्या स्कूलों में स्मार्टफोन!

डॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक हालिया फैसले में साफ किया है कि विद्यालय परिसर में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध विधिसम्मत नहीं है, और अभी तक विद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा स्मार्टफोन ले जाने के कोई हानिकारक परिणाम भी सामने नहीं आए हैं। अदालत के इस फैसले ने हलचल पैदा कर दी है। बेशक, आज का युग तकनीकी का युग है, और इस आधार पर कहा जा सकता है कि बच्चों को भी स्मार्टफोन के उपयोग से रोकने का मतलब उनको तकनीकी के प्रयोग से रोकना है, लेकिन साथ ही साथ देश के अलग-अलग कोनों से विद्यालय परिसर या उसके बाहर किशोरवय बच्चों द्वारा स्मार्टफोन के प्रयोग से अनेक विवादास्पद प्रकरण भी सामने आए हैं। अब एक तरफ उच्च न्यायालय का फैसला हैड्ड तो दूसरी तरफ आम लोगों की राय।

स्मार्टफोन के उपयोग से अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया सरल ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजन बन सकती है, और उसे सहायक उपकरण के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इंटरनेट के माध्यम से छात्र आसानी से शैक्षणिक सामग्री, वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रम तक पहुंच सकते हैं। स्मार्टफोन की मदद से विद्यार्थी किसी भी विषय पर तेज और अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनका ज्ञान और समझ, दोनों बढ़ते हैं। साथ ही, स्मार्टनेस भी बढ़ती है, तो इस हिसाब से स्मार्टफोन का उपयोग बच्चों को स्मार्ट बनने में मदद करता है। पढ़ने-सीखने के लिए अब वह समय नहीं रहा जब विद्यार्थी पुस्तकालय एवं पुस्तकों के माध्यम से सीखने को बाध्य थे। आज विद्यार्थियों को लाइब्रेरी में घंटों बिताने की बजाय स्मार्टफोन के माध्यम से तेजी से और प्रभावी तरीके से अध्ययन सामग्री मिल जाती है, जिससे समय तो बचता ही है, बच्चों को एकदम नई जानकारी भी प्राप्त हो जाती है। आज के जमाने में बिना टेक्नोक्रेट बने अच्छा कॅरियर बनाना संभव नहीं है। स्मार्टफोन का उपयोग विद्यार्थियों को डिजिटल और वर्चुअल दुनिया से परिचित कराता है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ती है। यह भविष्य में उन्हें कॅरियर के अवसरों के लिए तैयार करता है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का जमाना है। गूगल मीट या दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्मार्टफोन विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संवाद को आसान बनाता है। विद्यार्थियों को किसी विषय पर शंका हो, तो वे शिक्षक से तुरंत संपर्क कर अपनी समस्याएं हल कर सकते हैं।

लेकिन स्मार्टफोन के सकारात्मक पहलुओं के बीच दूसरा पक्ष भी देखना जरूरी है। स्मार्टफोन में सोशल मीडिया, गेम्स, और अन्य बहुत से आकर्षक ऐप्स होते हैं, जो विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटकाते हैं। इससे उनके अध्ययनझमनन में कमी आ सकती है। प्रायः देखने में आता है कि मोबाइल के माध्यम से पढ़ने वाले बच्चे एकाग्रचित होकर नहीं पढ़ पाते। वजह है एक साथ कई-कई विंडो खोल कर कईझकई चीजों को देखने की लत। यदि स्मार्टफोन का प्रयोग कम उम्र के अपरिपक्व बच्चों को करने की खुली छूट मिल जाए तो फिर उनकी एकाग्रचितत्ता भंग ही होगी। देखने में आया है कि स्मार्टफोन जल्दी ही लत का रूप ले लेता है, और बच्चे लंबे समय तक उसी में लगे रहते हैं। लंबे समय तक स्मार्टफोन का उपयोग करने से आंखों की समस्याएं, सिर दर्द और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। स्मार्टफोन का गलत उपयोग भी होता है जैसे नकल, पढ़ या समझ कर प्रश्न हल करने की बजाय उपलब्ध सामग्री को कॉपी-पेस्ट करके गृह कार्य या प्रोजेक्ट बनाना, चैट जीपीटी या ऐसे ही दूसरे एप्स अथवा साइट्स से अध्ययन की सामग्री बिना सोचे-समझे ले लेना विद्यार्थियों को गलत आदतें सिखा सकता है। साइबर बुलिंग, पॉर्न साइट्स या अश्लील सामग्री देखना या पढ़ना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

बेशक, स्मार्टफोन स्टेटस सिंबल बन गया है। चाहे मां-बाप की सामर्थ्य है या नहीं, मगर उन्हें बच्चों को महंगा फोन खरीद कर देना ही पड़ता है। ऐसे में स्मार्टफोन खरीदने और उसे मेंटेन करने के लिए वित्तीय बोझ बढ़ता है। इंटरनेट पर अनेक नशीली और

अपत्तिजनक सामग्री रहती हैं। ऐसे में विद्यालयों में स्मार्टफोन पहुंच जाएगा तो बच्चों को इस प्रकार की सामग्री से बचाना मुश्किल हो सकता है। दोनों पक्षों को ध्यान में रख कर ही न्यायालय ने स्मार्टफोन के उपयोग को तो रोकने से मना कर दिया है, लेकिन साथ ही साथ इन खतरों से बचने के लिए कई अनुबंध एवं शर्तें भी इस निर्णय के साथ जोड़ दी हैं। हाई कोर्ट ने कहा है कि छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन उपयोग की निगरानी हो। इस निर्णय के आलोक में कहा जा सकता है कि विद्यार्थी भले ही स्मार्टफोन स्कूल प्रांगण में ले जाएं लेकिन उसके उपयोग को बहुत सीमित कर दिया जाए। (लेखक शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं)

युवाओं के सहयोग से दिल्ली को बनाएंगे नशामुक्त : रविन्द्र इंद्राज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के अलीपुर स्थित स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के वार्षिकोत्सव 'श्रद्धा तरंग' में बुधवार को समाज कल्याण, एससी एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा की देश की दिशा, युवा निर्धारित करते हैं। आप सभी दिल्ली को बेहतर बनाने और 'विकसित भारत-विकसित दिल्ली' संकल्प को पूरा करने के लिए सुझाव दें। दिल्ली को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य युवाओं के सहयोग से ही पूरा हो सकता है। युवाओं के सहयोग से दिल्ली को नशामुक्त बनाएंगे। स्वामी श्रद्धानंद को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी जी का कहना था की देश को 'सेवकों की जरुरत है, नेताओं की नहीं।' आज कॉलेज के इस कार्यक्रम में आकर उन्हें जो दिव्य अनुभूति हो रही है उसे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। इस कॉलेज की आधारशिला रखने वालों में मेरे पिता भी शामिल रहे। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर प्रवीण गर्ग सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

दिल्ली में तेज हवाओं के बीच गिरा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह तेज हवाएं चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई। बुधवार को दिन भर 20-40 किलो मीटर के बीच हवाएं चलीं। इससे अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम था। जबकि न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम था। गुरुवार के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में 20 से 30 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और दोपहर बाद हवा की गति धीमे हो जाने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। हालांकि इस बीच अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूर्वानुमान संबंधी निजी एजेंसी 'स्काईमेट वेदर' के मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन उपाध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा बर्फीले पहाड़ों से ठंडी हवाएं छह मार्च तक दिल्ली और अन्य क्षेत्रों से होकर गुजरेंगी, जिससे राजधानी में सर्दी बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को नमी का अधिकतम स्तर 70 फीसद तथा न्यूनतम स्तर 24 फीसद दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 108 दर्ज किया और शाम 4 बजे यह 119 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली में इमारत गिरने से दो घायल, फायर सर्विस अधिकारी ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के जी.बी. रोड पर बुधवार को एक इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से दो लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि उन्हें अपराह्न दो बजकर 32 मिनट पर एक इमारत का हिस्सा ढहने की सूचना मिली और बचाव दल को मौके पर भेजा गया। डीएफएस के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि एक महिला और एक पुरुष इसमें घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

पहचान बदलकर सालों से दिल्ली में रह रही महिला नक्सली गिरफ्तार, खतरनाक हथियार चलाने में माहिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने झारखंड की वांछित महिला नक्सली को गिरफ्तार किया है। यह महिला पिछले कई सालों से अपनी पहचान छिपाकर दिल्ली में रह रही थी और घरेलू कामकाज कर रही थी। 4 मार्च 2025 को क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि महिला नक्सली पीतमपुरा इलाके में रह रही है और वहीं नौकरी कर रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने छापा मारा और महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक इस नक्सली महिला को बचपन में ही उसके गांव के एक नक्सली ने अपने साथ ले लिया था और अच्छी जिंदगी का झांसा देकर उसे नक्सली संगठन में शामिल कर लिया। 2016 में नक्सली संगठन 'सीपीआई माओवादी' से जुड़ गई थी। वहां उसे पांच साल तक सख्त ट्रेनिंग दी गई, जिसमें हथियार चलाना, गुरिल्ला युद्ध और बम बनाना सिखाया गया। वह एसएलआर, इंसास राइफल, एलएमजी, हैंड ग्रेनेड और .303 राइफल जैसे खतरनाक हथियार चलाने में माहिर हो गई थी। तीन एनकाउंटर में रही शामिल। इस महिला का झारखंड पुलिस से तीन बार सामना हो चुका है।

मालीवाल ने केजरीवाल पर कसा तंज, कहा-काफिला ट्रंप से भी बड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का काफिला ट्रंप से भी बड़ा है। मालीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने कहा कि जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल आज खुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पंजाब जैसे महान सूबे को अपने ऐश-ओ- आराम के साधन का जरिया बना लिया है।

बजट तैयार करने से पहले महिला संगठनों की सीएम ने सुनीं मन की बात, 2500 रुपये मिलेंगे यह भी किया आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में नवगठित बीजेपी सरकार अब विधानसभा में अपना बजट पेश करेगी। नए वित्त वर्ष (2025-26) के लिए बजट बनाने में सरकार जुटी हुई है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अलग-अलग वर्ग के लोगों से बजट तैयार करने में सुझाव देने की अपील की थी, आज दिल्ली की महिलाओं को उन्होंने विधानसभा परिसर में खास तौर से आमंत्रित किया और उनके सुझावों को ध्यान से सुनीं।

स्कूलों में प्रदान की जाएगी नैतिक शिक्षा: नई सरकार के बजट में दिल्ली की महिलाएं क्या सुझाव देना चाहती हैं, इस पर उन्होंने अपनी राय दी। तमाम महिलाओं ने जो सुझाव दिए उसे मुख्यमंत्री ने नोट भी किया और उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस बजट में शामिल करने पर जरूर विचार करेंगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं ने जो नैतिक शिक्षा स्कूलों में दिलाने की बात कही है, उसकी वह खुद व्यवस्था करेंगीं। साथ ही उन्होंने महिलाओं से भी अपील की है कि वह घर में बच्चों को मोरल एजुकेशन दें। इसकी जिम्मेदारी भी वह स्वयं लें। महिला सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है इसमें किसी भी सूरत में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दिशा में अब तक जो कदम उठाए गए उससे अतिरिक्त और क्या बेहतर हो सकता है इस सरकार फैसला लेगी।

संगठनों से विकसित दिल्ली बजट पर चर्चा: रेखा गुप्ता ने कहा, आज का हमारा ये विकसित दिल्ली बजट के लिए महिला संगठनों से चर्चा हुई। दिल्ली के हर वर्ग से महिला पहुंची थीं। सुरक्षा, शिक्षा और महिला के जरूरती मुद्दों पर चर्चा हुई। दिल्ली की महिलाओं को महिला मुख्यमंत्री से अपेक्षाएं है। जो-जो क्षेत्र जहां दिल्ली की सरकार को काम करना चाहिए उस पर चर्चा की गई। लोगो को विश्वास दिलाना चाहती हूं कि उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरेंगी। अगले तीन दिन सभी वर्गों के लोगो से बातचीत, कल व्यापार से जुड़े लोगों को बुलाया गया है आज शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों से भी संवाद करनी है। वे खुद झुग्गी जाएंगी और लोगो से बात करेंगीं। दिल्ली का बजट जनता से जुड़ा होगा। हमने अपने संकल्प पत्र में जो वादा किया है वो पूरा होगा। 2500 रुपए भी मिलेंगे किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं।

सीएम 24 घंटे सातों दिन रहेंगी उपलब्ध: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तमाम महिलाओं से कहा कि उन सबके साथ मिलकर काम करना है। महिला सम्मान के लिए वह 24 घंटे सातों दिन वे उपलब्ध रहेंगी। शिक्षा, स्वास्थ्य महिलाओं से संबंधित अन्य समस्याएं पर जो भी सुझाव मिले हैं उन सब पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को लेकर पार्टी ने चुनाव में जो वादे किए थे, विकसित दिल्ली का संकल्प लिया था, वह हर संकल्प को सरकार पूरा करेगी। चाहे 2500 रुपये प्रतिमाह महिलाओं को देने का हो या अन्य घोषणाएं। अब एजेंडा हमारा चलेगा उनका नहीं। किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं कि चार दिन बचे हैं, तीन दिन बचे हैं।

दिल्ली की महिलाओं से बीजेपी सरकार के वादे....

-घरेलू महिला कामगारों को 6 महीने की पेड मैटरनिटी लीव।

-गरीब महिलाओं को महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपये की मासिक सहायता।

-गर्भवती महिलाओं को मुख्यमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत ?21,000 की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट।

-500 रूपये में एलपीजी गैस सिलेंडर और होली-दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने आई महिलाओं ने बजट को लेकर दिए यह सुझाव....

-रेप केस को रोकने के लिए लड़कों को दी जाए नैतिक शिक्षा। हर स्कूल में एक क्लास लड़कों के लिए जरूर होनी चाहिए।

-कोर्ट में महिला अपराध से जुड़ें मामले की सुनवाई जल्दी हो,

-सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएं।

-महिलाओं की सुरक्षा के लिए रात में 9 बजे के बाद पीसीआर की गश्त बढ़नी चाहिए।

-होनहार बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए।

-दिव्यांग महिलाओं के लिए बसें आई हैं, लेकिन उसमें चढ़ने नहीं दिया जाता, पेंशन बढ़ाने पर सरकार विचार करें।

-फ्री स्कीम बंद कर दी जाए, हमें शिक्षित और रोजगार दी जाए।

-स्कूली बच्चों को दी जाने वाली मिड डे मील में मीलेट दिया जाए।

-आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब महिलाओं को विशेष सुविधा दी जाए।

-चौराहों पर भिक्षावृति की रोक लगाई जाए।

-मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज़ पर गायनी क्लीनिक खोले जाए।

-घरेलू हिंसा की रोकथाम के उपाय।

-बजट में जो भी सुविधएं दी जाए उसमें कागजी कार्रवाई को कम किया जाएं।

-बेटियों की सम्मान और सुरक्षा पर ध्यान दी जाए।

-एआई शिक्षा महिलाओं को दिलाने की योजना हो, महिलाओं को कौशल विकास करने में ध्यान दिया जाए।

-कोरोना के दौरान जो महिला अपने पति को खो चुकीं हैं अकेली राह गयी उनको बच्चों की फीस देने में परेशानी हो रही है। इसकी व्यवस्था की जाए।

-वर्किंग मदर्स के लिए हर पुलिस स्टेशन में एक क्रेच बनाया जाए।

दिल्ली में क्राइम ब्रांच ने महिला नक्सली को किया गिरफ्तार, झारखंड पुलिस से कर चुकी 3-3 मुठभेड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने झारखंड की वांछित महिला नक्सली को गिरफ्तार किया है। महिला आरोपी दिल्ली में पहचान बदलकर रह रही थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला आरोपी की उम्र 23 वर्ष है। और झारखंड की रहने वाली है।

डीसीपी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एक टीम एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले माओवादी, चरमपंथियों से संबंधित एक गुप्त सूचना पर काम कर रही थी। मंगलवार को, टीम को एक माओवादी चरमपंथी के बारे में जानकारी मिली, जो माओवादी नक्सली समूह का सदस्य है। क्राइम ब्रांच को यह पता चला कि महिला नक्सली अपनी असली पहचान छिपाकर पीतमपुरा इलाके में रह रही है। इस जानकारी के बाद, आरोपी महिला को पकड़ लिया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी के मुताबिक, आरोपी महिला झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुदाबुरू गांव की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार, उस समय, शिविर में 300-450 व्यक्ति रहते थे, जिनमें 40-50 महिलाएं, उसकी उम्र के 4-5 बच्चे शामिल थे। गिरफ्तार महिला आरोपी अपने समय के दौरान, पांच साल तक कठोर और गहन प्रशिक्षण लिया, जहां उसे एक प्रशिक्षित नक्सली के रूप में तैयार किया गया। पूछताछ के अनुसार, यह पता चला है कि उसने एसएलआर, इंसास, एलएमजी, हैंड ग्रेनेड सहित अन्य अत्याधुनिक हथियारों को संभालने का व्यापक प्रशिक्षण लिया था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह के साथ पैदल गश्त के दौरान, महिला आरोपी इंसास राइफल लेकर चलती थी। 2018 में, उसने कोल्हान में झारखंड पुलिस के साथ मुठभेड़ में भाग लिया, इसके बाद 2019 में पोराहाट और 2020 में सोनुआ में अपने कंपनी कमांडर के साथ इसी तरह की मुठभेड़ में शामिल रही। अपने गुट के कमांडर के निर्देश पर वह दिल्ली चली गई। 2020 में दिल्ली पहुंचने पर, उसने अपनी असली पहचान छिपाई और नोएडा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में एक हाउस क्लीनर के रूप में काम करना शुरू कर दिया। फिलहाल, वह पीतमपुरा इलाके में बस गई, जहाँ वो गुप्त रूप से रह रही थी।

दिल्ली में कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव और उसमें मिली करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लॉक और जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकें फिर से शुरू कर दी हैं। इससे जमीनी स्तर पर पार्टी को पुनर्जीवित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के कारण पिछले कुछ महीनों से यह बैठकें नहीं हो पाई थी, लेकिन जब ये बैठकें फिर से शुरू हुईं तो कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि 2 मार्च को 258 ब्लॉक और बुधवार, 5 मार्च को 14 जिलों में आयोजित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठकों में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इन बैठकों में पूर्व सांसदों, दिल्ली के पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, पूर्व और वर्तमान नगर निगम पार्षदों और पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ब्लॉक एवं जिला कांग्रेस कमेटी की बैठकों में दिए गए सुझावों एवं विचारों को ध्यान में रखते हुए पार्टी जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी जब जमीनी स्तर पर पार्टी को पुनर्जीवित करने के अभियान पर निकलेगी तो हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान संगठन की ताकत एवं कमजोरियों पर ध्यान देंगी। पार्टी को मजबूत करने के लिए जहां भी आवश्यक होगा, बदलाव किए जाएंगे।

कांग्रेस करेगी जनता की आवाज बुलंद-देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस, एक जिम्मेदार विपक्षी पार्टी के रूप में, दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा न करने और विकास कार्यों को फिर से शुरू करने में असफल रहने पर जनता की आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने 15 साल के शासनकाल में दिल्ली को दुनिया के बेहतरीन शहरों में शामिल करने के लिए जो विकास कार्य किए थे, उन्हें केजरीवाल सरकार के 11 वर्षों के कुशासन ने नष्ट कर दिया। अब लोग भाजपा सरकार से राजधानी की पुरानी प्रतिष्ठा बहाल करने की उम्मीद हैं, जिसे दिल्ली कांग्रेस बारीकी से मॉनिटर करेगी।

भाजपा को करना होगा अपना वादा पूरा-दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार को खोखले भाषणों के सहारे नहीं छोड़ दिया जाएगा, बल्कि उसे जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए मजबूर किया जाएगा। सबसे पहले, भाजपा सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार, राजधानी की प्रत्येक महिला के खाते में हर महीने 2500 रुपए जमा करने और रुकी हुई जनकल्याणकारी पेंशनों का वितरण फिर से शुरू करने का वादा पूरा करना चाहिए। बता दें कि लंबे समय बाद कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 पूरे दमखम के साथ लड़ा, लेकिन चुनाव नतीजे आशानुरूप नहीं आए। यहां तक कि चुनाव में वोट फीसद दहाई अंक तक भी नहीं पहुंचा। सभी प्रत्याशी चुनाव हार गए थे।

बीजेपी को अपना फोकस दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने पर करना चाहिए : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा काफिले को लेकर बीजेपी पर पलटवार किया है और कहा कि बीजेपी को गंदी राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को लेकर खतरे की आशंका के चलते गृह मंत्रालय ने उन्हें 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई है।

उन्होंने कहा, 'बीजेपी को गंदी राजनीति छोड़कर दिल्ली से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। अरविंद केजरीवाल को सुबह-शाम गाली देने से कुछ नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली की जनता को डेडलाइंस दी थी, चाहे 8 मार्च की हो या होली की हो, बीजेपी को अपना फोकस वहां लेकर जाना चाहिए और दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए।'

प्रवेश वर्मा के दावे का प्रियंका कक्कड़ ने खंडन किया

जब उनसे सवाल पूछा गया कि बीजेपी के विधायक और मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया था कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद अरविंद केजरीवाल पंजाब का रूख करेंगे, वहां अपने लिए पद तलाशेंगे, राज्य सभा जा सकते है या मुख्यमंत्री भी बन सकते हैं। इस सवाल का प्रियंका कक्कड़ ने खंडन करते हुए कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है।

'केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जाएंगे और ना सीएम बनेंगे'

आप प्रवक्ता ने आगे कहा, 'अरविंद केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जा रहे हैं और न ही पंजाब के सीएम बन रहे हैं। मैं बीजेपी को कहना चाहूंगी कि अफवाह फैलाने से बचें, झूठे आरोप लगाने से बचें। जो आपने दिल्ली की जनता से वादे किए थे, उन पर फोकस करें।'

केजरीवाल के काफिले का वीडियो वायरल

दरअसल 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब के होशियारपुर पहुंचे हैं। इस दौरान केजरीवाल के काफिले का वीडियो वायरल हो गया है। केजरीवाल के काफिले को लेकर बीजेपी के नेता और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने तंज कसा है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल को जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है।

सड़कों पर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे वाहनों के खिलाफ चलाया जाएगा सघन अभियान : पंकज सिंह

-डीटीसी को घाटे से उबारने के लिए रोडमैप तैयार करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, दिल्ली सरकार परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने दिल्ली की सडकों पर बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन), एमडी दिल्ली मेट्रो के साथ परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीयों ने भाग लिया। मंत्री ने सार्वजनिक परिवहन के साथ कमर्शियल वाहनों की लाइव ट्रैकिंग प्रणाली की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाइव ट्रैकिंग को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक के दौरान अधिकारीयों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से माननीय मंत्री को ई-चालान प्रणाली, पुराने वाहनों को हटाने, एआई तकनीक के उपयोग और इलेक्ट्रिक वाहन नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों से अवगत कराया। मंत्री ने दिल्ली की सडकों पर वाहनों के अतिक्रमण रोकने के लिए सख्त अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि 'हमारा लक्ष्य 'विकसित दिल्ली' का निर्माण करना है, जिसके लिए अगले 100 दिनों के रोडमैप पर कार्य किया जाएगा। ÷ उन्होंने परिवहन विभाग के एनफोर्समेंट विंग में दिल्ली में जाम की समस्या को देखते हुए वाहनों के चेकिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को सडकों पर उतारने का निर्देश दिया। बैठक में ई-चालान प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए, उन्होंने बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के सडकों पर चल रहे पेट्रोल, डीजल, एवं सीएनजी वाहनों पर नियमों के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, ऐसे पेट्रोल पंप संचालकों पर भी कार्रवाई करने को कहा जो इन अनफिट वाहनों को ईंधन देते हैं। माननीय मंत्री ने कहा कि यह बात संज्ञान में आई है कि भारी वाहनों द्वारा स्लिप रोड का उपयोग किया जाता है जिनपर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। इस विषय पर माननीय मंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 'ऐसे ट्रक चालकों पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है।' इसके अतिरिक्त, दिल्ली के परिवहन मंत्री ने डीटीआईडीसी के प्रभावी वित्तीय प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लक्ष्यों की समीक्षा कर अप्रैल 2025 से लागू होने वाली नई नीति पर पुनः कार्य करने का निर्देश दिया। मंत्री ने मुकुंदपुर से मौजपुर, आर.के. आश्रम से जनकपुरी पश्चिम और एरोसिटी से तुगलकाबाद तक नई मेट्रो लाइनों की प्रगति की भी समीक्षा की और इनके शीघ्र पूरा होने पर जोर दिया।

जन-जन का विश्वविद्यालय है इग्नू : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) परिसर में बुधवार को 38वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर तीन लाख से अधिक छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऑनलाइन संदेश मे कहा कि इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज इग्नू 3.17 लाख से अधिक छात्रों की सफलता का जश्न मनाया जा रहा है, जो विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे अधिक है। 1985 में अपनी स्थापना के बाद से इग्नू ने शिक्षा को किफायती, लचीला और समावेशी बनाकर, इसमें क्रांति ला दी है। 35 लाख से अधिक शिक्षार्थियों और 58 देशों में एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति के साथ इग्नू दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। वहीं, समारोह में मुख्य अतिथि आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रो. पवन कुमार सिंह ने उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल ने बताया कि अग्निवीरों के लिए विशेष रूप से पांच कौशल-आधारित स्नातक डिग्री कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इनमें 5000 से अधिक अग्निवीरों का नामांकन किया गया है। विश्वविद्यालय लगातार नए शैक्षणिक कार्यक्रम जोड़ रहा है और नए शिक्षार्थी वर्गों तक पहुंच बना रहा है। 2024 में कुल 47 नए कार्यक्रम शुरू किए गए, जिससे कार्यक्रमों की कुल संख्या 334 हो गई। विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

छात्रों से अधिक छात्राओं ने प्राप्त की डिग्री

दीक्षांत समारोह में कुल 3,17,062 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें से 1,68,711 छात्राएं और 1,45,472 छात्र हैं। स्नातक में 1,33,082 और परास्नातक में 1,34,385 अभ्यर्थियों को डिग्री मिली। 33,603 को डिप्लोमा, 16,017 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट, 92 को पीएचडी और दो को एमफिल की डिग्री प्रदान की गई।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर को राष्ट्रपति ने प्रदान किया अनुसंधान पुरस्कार

-विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता पैदा करने में कुलपति प्रो. योगेश सिंह की रही है अहम भूमिका- प्रो. रीना चक्रवर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्कृष्ट नवाचार, अनुसंधान कार्य और प्रौद्योगिकी विकास के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की एक प्रोफेसर को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुरस्कृत किया गया है। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में 3 मार्च को आयोजित समारोह में 8वें विजिटर्स अवार्ड, 2023 प्रदान किए थे। जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान पुरस्कार इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर (डॉ.) रीना चक्रवर्ती को प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार 2015 से भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार मिलता है। इस पुरस्कार के लिए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने उन्हें बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य ऐसे शोध को बढ़ावा देना होना चाहिए जो राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दें।

विदित रहे कि डॉ. चक्रवर्ती ने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग में लेक्चरर के रूप में ज्वाइन किया था। वर्तमान में वह एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं और विभागाध्यक्ष का पद संभाल रही हैं। प्रो. चक्रवर्ती ने अपने नियमित कार्यभार के अलावा मछली पालन में उन्नत अनुसंधान करने के लिए एक परिष्कृत अनुसंधान प्रयोगशाला विकसित करने का प्रयास किया। इस उद्देश्य के लिए, विश्वविद्यालय से वित्तीय सहायता के अलावा, उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से अनुसंधान अनुदान प्राप्त किया। प्रो. चक्रवर्ती ने कहा कि विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता पैदा करने में कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अहम भूमिका रही है। विभाग में चल रहे शोध का अवलोकन करने के लिए कुलपति समय-समय पर विभाग का दौरा करते रहते हैं और संकाय सदस्यों के साथ-साथ शोध छात्रों से भी बातचीत कर के उन्हें प्रेरित करते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि डीयू को यह पुरस्कार मिला है।

प्रो. चक्रवर्ती का शोध योगदान

प्रो. रीना चक्रवर्ती ने बताया कि मछली की खपत में काफी वृद्धि हुई है, लेकिन अंतर्देशीय मछली पालन के लिए जगह और पानी एक सीमित कारक रहा है। किचन गार्डन या रूफ टॉप गार्डन की तरह, उन्होंने और उनकी टीम ने इन-हाउस माइक्रो-क्लाइमेट कंट्रोलिंग सिस्टम तैयार किया है, जहाँ पानी और जगह की न्यूनतम उपलब्धता के साथ साल भर विभिन्न प्रकार की मछलियां पाली जा सकती हैं। यह रिसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (न्न्स) पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी है। एक्वाकल्चर अपशिष्ट को विभिन्न बायो-फ़िल्टर के साथ हटा दिया जाता है और सिस्टम में फिर से उपयोग किया जाता है। ऐसे बायोफिल्टर में से एक कुछ पौधे की प्रजातियाँ हैं जिनका उपयोग पत्तेदार सब्जियों के रूप में भी किया जाता है। इसे एक्वापोनिक्स सिस्टम के रूप में जाना जाता है, जिसने मछली पालकों को अतिरिक्त आय प्रदान की। मछली पालन में फीड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फ़ीड की पसंद न केवल मछलियों के प्रकार के साथ बदलती है, बल्कि उनकी उम्र के साथ भी बदलती है। चक्रवर्ती ने बताया कि उन्होंने कुछ अनूठी जड़ी-बूटियों के साथ मछली-आयु विशिष्ट फ़ीड विकसित की है जो न केवल उनकी वृद्धि को बढ़ाएगी बल्कि उनकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाएगी।

शोध का प्रभाव

प्रो. चक्रवर्ती और उनकी टीम ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में किसानों के तालाबों में कई किसान-वैज्ञानिक संपर्क कार्यक्रम और क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित किए हैं, ताकि उनके अभ्यासों के पैकेज का प्रसार किया जा सके।

यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में सिटिजन चार्टर लागू

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में अब सिटिजन चार्टर यानी नागरिक घोषणा पत्र लागू कर दिया गया। सरकारी माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। ऐसा न करने पर जिम्मेदार अधिकारियों या कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को अंक पत्र और प्रमाणपत्र के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वहीं, शिक्षकों और कर्मचारियों के भी सेवा संबंधी काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। स्कूलों और कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार बोर्ड लगाकर किया जाएगा।

सिटिजन चार्टर से स्टूडेंट, टीचर और स्टॉफ को मिलेगा फायदा माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने इसका विमोचन करते हुए कहा कि इस पहल से काम में पारदर्शिता आएगी। सिटिजन चार्टर लागू होने के साथ ही अब राजकीय माध्यमिक स्कूलों और अशासकीय सहायताप्राप्त माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों को ल्फ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश की सुविधा दी जाएगी। स्टूडेंट्स को नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर स्टूडेंट्स को बोर्ड कार्यालय से आवेदन करने के 15 दिनों में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रमाण पत्र की सेकेंड कॉपी, मार्क शीट, मार्क शीट की सेकेंड कॉपी और संशोधित प्रमाण पत्र 30 दिनों में जारी करना होगा। वहीं, स्टूडेंट्स के निरस्त परीक्षाफल, रोके गए रिजल्ट या अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण परीक्षाफल का संशोधन व निस्तारण 45 दिनों में करना होगा। विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग 15 से 30 दिनों में स्टूडेंट पहले अपीलीय अधिकारी सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद व दूसरे अपीलीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय में अपील कर सकेंगे।स्कूल स्टॉफ पर भी होगा लागू राजकीय माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के पेंशन स्वीकृति पर निर्णय 60 दिनों में, जीपीएफ स्वीकृति पर निर्णय 30 दिनों में, जीपीएफ अग्रिम भुगतान 15 दिनों में, नव नियुक्त शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन 60 दिनों में, चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर निर्णय 60 दिनों में, वेतन भुगतान पर निर्णय 15 दिनों में, सुनिश्चित करियर प्रोन्नयन पर निर्णय 90 दिनों में और मृतक आश्रितों को नौकरी देने के मामले में 90 दिनों में निर्णय लेना होगा। ऐसे ही एडेड माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के भी काम तय समय पर होंगे।

हमीरपुर में ई लाटरी के जरिये हुई शराब और भांग की दुकानों की नीलामी

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में देशी शराब की 229 में से 188 दुकानों, कम्पोजिट शॉप की सभी 79 सहित भांग की सभी आठ दुकानों का 2025-26 के लिये ई-लॉटरी के जरिये हमीरपुर की तत्कालीन जिलाधिकारी बी.चन्द्रकला, वर्तमान सचिव महिला कल्याण सहित पंचायती राज उ०प्र० शासन की अध्यक्षता सहित जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम मीना, पुलिस कप्तान हमीरपुर डॉ० दीक्षा शर्मा, अमृता श्रीवास्तव, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन बांदा, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ० नागेन्द्रनाथ यादव की मौजूदगी में जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। देशी शराब की 188 दुकानों पर 639 आवेदन, कम्पोजिट शॉप की 79 दुकानों पर 567 आवेदन सहित भांग की आठ दुकानों पर 12 आवेदन किये गये, जिसमें कुल 275 दुकानों पर 1218 आवेदन किये गये। इन आवेदन पत्रों में से आवेदकों का चयन ऑन लाईन ई-लॉटरी के जरिये तकनीकि, वैज्ञानिक रीति से एन. आई.सी. के सहयोग से सम्पन्न हुआ। ई-लॉटरी के वख्त भारी तादाद में आवेदक मौजूद रहे। ई-लॉटरी की कार्यवाही आवेदको की ज्यादा तादाद के मद्देनजर स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर के मैदान में सम्पन्न कराई गयी। ई-लॉटरी में सभी आवेदकों की जांच करने के बाद लीगल डाक्यूमेंट दिखाने पर ही दिया गया। वही सुरक्षा के मद्देनजर ई- लाटरी मैदान सहित मैदान के बाहर बड़ी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा। ई-लॉटरी सम्पन्न होनें के बाद उप आबकारी आयुक्त,प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी अवधेश राम ने सभी अधिकारियों सहित आवेदकों का आभार व्यक्त किया। जबकि जिला आबकारी अधिकारी हमीरपुर अवधेश राम ने बताया कि ई-लॉटरी के रिजल्ट को हमीरपुर की बेबसाईट www.hamirpur.fic.if पर अपलोड करने के साथ ही नोटिस बोर्ड सहित मीडिया ग्रुप में शेयर कर दिया गया है।

अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में दी गई जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। गन्ना विकास समिति कसया परिक्षेत्र के ग्राम अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती के गुर बताए गए।

आयोजित गोष्ठी में उत्तरप्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने गन्ने की सर्वाधिक उपज देने वाली प्रजाति को. 0118, तथा को. 15023 की जानकारी देते हुए दो आंख की गेड़ी काटने, हेक्सटॉप के घोल में उपचारित करने, ट्राईकोडर्मा का प्रयोग, गन्ने की बुवाई 120 सेंटीमीटर पर करने की जानकारी दी। कहा कि आने वाले समय में गन्ने की कटाई, छिलाई मशीन से होगी। गन्ने के साथ सहफसली खेती से गन्ने का उपज बढ़ेगा। हानिकारक कीट पीहिका अंकुर बेधक नियंत्रण होगा। भिंडी, मूंग, उर्द, लोबिया भी बोए। ढाढा चीनी मिल के अधिशाषी अध्यक्ष करण सिंह के हवाले से बताया कि मिल परिक्षेत्र में सभी किसानों की गन्ने की बुवाई केन प्लांटर से कराया जा रहा है। निराई गुड़ाई, पेड़ी प्रबन्धन मशीन पावर टीलर से कराया जा रहा है। सिंगल बड से तैयार गन्ने के पौधा की रोपाई मशीन से कराया जा रहा है। वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने बताया की बीज गन्ना कृषकों के खेतों पर आरक्षण कराया गया है, छोटे ट्रैक्टर पर 25 हजार रुपए अनुदान दिया जा रहा है। सेवरही गन्ना शोध से कसया क्षेत्र के लिए 10 हजार एक आंख का टुकड़ा आवंटन हुआ है। कसया गन्ना समिति के संचालक सदस्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से नौ दिवसीय यात्रा से वापस लौटे रामबेलाश गुप्ता ने बताया कि पूर्वांचल में जागरूकता का अभाव है, पशुपालन का कमी है। अजय श्रीवास्तव द्वारा को. 0118, एवम को. 15023 के बारे मे बताया। गन्ना बैज्ञानिक डॉ बच्चा राव ने पेड़ी प्रबन्धन की जानकारी दी। संचालन वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने किया। इस दौरान किसान कपिलदेव यादव, बलिराम, अनिरुद्ध, कैलाश, शिवपूजन, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

नमाज (तरावीह) के साथ रमजान का आगाज मस्जिदें नमाजियों से हुई गुलजार

संवाददाता

कुशीनगर। माहे रमजान का चांद नजर आते ही रमजान की तैयारियों को लेकर जहां बाजारों में रौनक बढ़ने लगी वहीं मस्जिदों में भी नमाजियों की तादाद में इजाफा हो गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने रमजान की तैयारियों को लेकर बाजारों में सेवइयां डबल रोटी तथा अन्य खाने-पीने की जरुरी चीजों की जमकर खरीदारी की। रात्रि में रमजान शरीफ में पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज (तरावीह) मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा की। पकहां लुकपुर में नूरी मस्जिद प्रथम दिन नमाजियों से खचाखच भरी हुई थी। मस्जिद के इमाम एम एस कादरी निजामी ने

तरावीह की नमाज के बाद अपने संबोधन में रमजान की अहमियत बयान करते हुए कहा कि रमजान (रोजे) का मकसद केवल भूखे वह प्यासा रहना नहीं है, बल्कि उसका असली अर्थ यह है कि हम अपने पड़ोसियों की गरीबों की भूख और प्यास का भी ख्याल रखेंअगर आपके पड़ोस में कोई गरीब या कोई व्यक्ति भूखा है और उसके घर में भोजन नहीं है, उसका एहसास करें। उसको खाना पहुंचाएं। रमजान के पहले अशरा में यानी रमजान के पहले दस दिन रहमत और बरकत का आसरा होता है, इसमें पूरी मानवता के लिए पूरी इंसानियत के लिए और अपने देश के लिए दुआ करें मानवता और सुख शांति की दुआ कराई गई। इस अवसर पर हाफिज इश्तियाक, इलियास, अबरार अहमद, रियाजउद्दीन, सैफुल्लाह अंसारी, अब्दुल कलाम, आजाद, सिराजुद्दीन अंसारी, गयासुद्दीन अंसारी तराबी तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रावि नरकटिया खुर्द में हुआ पौधरोपण, शिक्षण सामग्री वितरित

संवाददाता

कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय नरकटिया खुर्द में गुरुवार को कसया के व्यवसायी मनीष मोदनवाल की बिटिया खुशी मोदनवाल के जन्मदिन पर पौधरोपण एवं शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री मोदनवाल ने कहा कि बिटिया के जन्मोत्सव पर पूरा परिवार हर्ष में है और इस अवसर पर पौधरोपण करके और बच्चों को शिक्षण सामग्री

भेंट कर सुकून मिल रहा। हम सबको अपने खुशियों में समाज को शामिल करना चाहिए। इससे एक सशक्त समाज का निर्माण होगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कृष्ण मोहन, माया चौरसिया, कुसुम देवी, मरियम खातून, नंदरानी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने किया खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां का निरीक्षण

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी ग्रामोद्योग एवं हथकरघा विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने गुरुवार को खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां, फाजिलनगर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने संस्था को खादी के क्षेत्र में कार्य करने में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। साथ ही संस्था के भविष्य में रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा सकने वाले संभावित कार्यों पर भी गंभीरता और गहनता से चर्चा की। प्रमुख सचिव ने कामगारों से संवाद कर उनके कार्यों और कठिनाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्था के कच्चे माल की खरीद से

लेकर उत्पादन और विपणन तक के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में किए गए रोजगार सृजन के कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित सभी लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तमकुही राज, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला एवं तहसील प्रशासन कसया के अधिकारी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए.के. पाल, बिहार से अवकाश प्राप्त न्यायाधीश सत्येन्द्र पांडेय,खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां के मंत्री पंकज कुमार पाण्डेय, दीनानाथ गुप्ता, रामनाथ गुप्ता, राम गुलाम प्रसाद, सोमारी प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, रामनयन पांडेय, विजय पांडेय, नरेन्द्र पांडेय, जयप्रकाश पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बस संचालन के लिए सांसद विजय दूबे को पत्र सौंपा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। रोडवेज बस न चलने से स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पडरौना, बाड़ीपुल, अहिरौली राजा, गोबरही, भठही, नैका छपरा ,हेतिमपुर से गोरखपुर मार्ग सीधे जिला मुख्यालय से जुड़ा है। यहां आवागमन को रोडवेज बस की लंबे समय से मांग हो रही है लेकिन जिला प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे ग्रामीणों को निजी या प्राइवेट वाहनों से जिला मुख्यालय समेत अन्य स्थानों पर आवागमन करना पड़ता है। इसको लेकर डुमरी चुरामनछपरा के ग्राम

प्रधान डिम्पल पांडेय के नेतृत्व में कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे को बस संचालन के लिए एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसको गम्भीरता से लेते हुए सांसद ने कारवाई का आश्वासन दिया। दरअसल गोरखपुर से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर अभी तक रोडवेज बसों का संचालन नहीं किया गया। लोगों को लंबी दूरी तय कर निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण रूटों पर रोडवेज की बस नहीं चलने से तीन पहिया चालक मनमाफिक किराया वसूलते हैं। गांवों के स्टैंड से तीन पहिया भरने के बाद ही चलते हैं, जगह-जगह रुकने के साथ ही सवारी से जो किराया मांग लिया वह उसे देना पड़ता है। तीन पहिया चालक सवारियों को बाहर लटका कर चलते हैं। इससे कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि निजी वाहनों को पकड़ने के लिए भी उन्हें चार से पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन न होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

छात्र भी किसी तरह अपने विद्यालयों में पहुंचते हैं। ग्रामीणों को अगर गोरखपुर इलाज या बच्चों को शिक्षण संस्थान जाने के लिए अगर बस संचालन हो जाता तो बहुत सुगमता हो जाता।

ग्राम प्रधान अजय जायसवाल, अजित कुशवाहा, सतेन्द्र सिंह, राम आश्रय, समीउल्लाह खान, पूर्व ग्राम प्रधान जेपी यादव, मोहसिन उर्फ बुलेट, रामकृष्ण, अजीत सिंह, रामेश्वर मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

पर्यावरण परिवर्तन की गति बढ़ने से लाखों जीव लुप्त होने के कगार पर:प्रो . प्रमोद टंडन

संवाददाता

कुशीनगर।

बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर में देश के महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों की एक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो . प्रमोद टंडन ने कहा पर्यावरण परिवर्तन नई चीज नहीं है यह हजारों वर्षों से हो रही है। समस्या यह है कि इसकी गति बहुत बढ़ गई है। इस कारण लाखों प्रकार के पौधे और प्राणी लुप्त होने के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अमेरिका और चीन से ज्यादा भारत पर पड़ेगा। अगर इसे रोका नहीं गया तो 15 से 37 प्रतिशत पौधे और वनस्पति 2050 तक नष्ट हो जाएंगे। 6.1 प्रतिशत लोग प्रति 10 साल पहाड़ों की ओर बस रहे हैं। समुद्र में जल का स्तर बहुत तेज बढ़ने वाला है। जीव जंतुओं के प्रजनन पर असर पड़ रहा है। साइबेरियन पक्षी इस वर्ष कम आए हैं। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय में जीवन विज्ञान संकाय की पूर्व डीन प्रो वीना टंडन ने खाद्य पदार्थों से होने वाले पैरासाइट (परजीवी) संक्रमण विषय पर बोलते हुए कहा कि पूरे विश्व की एक तिहाई आबादी परजीवी कृमि संक्रमण से प्रभावित है। ये सभी कृमि ट्रॉपिकल देशों जहां गर्मी ज्यादा पड़ती है वहां के रोजमर्रा के जीवन में ज्यादा सक्रिय हैं। जानवरों में होने वाले कुछ संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकते हैं। सबसे ज्यादा राउंड बर्म का संक्रमण होता है। यह गंदे पानी से गंदे हाथों से होता है। पिन वर्म बच्चों में ज्यादा होते हैं। हुक वर्म नम मिट्टी से त्वचा के रस्ते शरीर में पहुंचते हैं। ज्यादातर बच्चों और महिलाओं में एनीमिया के कारण होते हैं। टेपवर्म इन्फेक्शन सूअर या गाय के मांस को खाने से होता है। इसकी लंबाई 25 मीटर तक हो सकती है। बायोकेमिस्ट्री के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो रमेश शर्मा ने हार्मोंस और उनकी उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि हार्मोंस केमिकल मैसेंजर होते हैं। ये हार्ट और किडनी में भी पाया जाता है। हार्मोंस हमारे प्रत्येक गतिविधि को संचालित भी करते हैं। ये हार्मोंस शरीर ही नहीं वातावरण से भी संचालित होते हैं। शरीर लड़े या भागे इसका संचालन भी हार्मोंस से होता है। वातावरण के परिवर्तित होने पर शरीर को उससे अनुकूलित होने के लिए भी हार्मोन उत्तरदाई होते हैं। इंदरफिन हार्मोन पुरुष में ज्यादा होते हैं और महिलाओं में कम होता है इसीलिए पुरुषों में स्त्रियों की अपेक्षा कम घबराहट होती है। सीनियर एंटोमोलाजिस्ट डॉ मानवेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि किसी एजेंट के माध्यम से फैलने वाले रोग वेक्टर वॉर्न डिजीज होते हैं। मलेरिया, जीका वायरस, डेंगी, फाइलेरिया, प्लेग आदि इससे फैलते हैं। मच्छरों को समाप्त नहीं किया जा सकता उसकी संख्या कम की जा सकती है। डेंगी के अंडे बिना पानी के डेढ़ साल तक जीवित रहते हैं। इसलिए पानी इकट्ठा होने वाली सभी जगहों की व्यवस्थित सफाई जरूरी है। कूलर में 80 प्रतिशत डेंगी का मच्छर अंडा देता है। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंध सचिव सरदार वीरेंद्र सिंह आहलूवालिया ने की। स्वागत भाषण प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने किया। संचालन प्रो गौरव तिवारी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अनुज कुमार और सह संयोजक डॉ राकेश राय रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो रवि प्रताप पाण्डेय, प्रो इंद्रजीत मिश्र ,प्रो सत्येंद्र गौतम, डॉ चंद्रशेखर सिंह, डॉ रमेश चंद्र विश्वकर्मा, डॉ सौरभ द्विवेदी, डॉ सुबोध गौतम, डॉ हिमांशु मिश्र, डॉ श्वेता यादव, डॉ पारसनाथ, डॉ अंशु यादव, डॉ लक्ष्मी, डॉ पूजा, डॉ चंद्र प्रकाश सिंह, डॉ विनोद सिंह, डॉ चंद्रशेखर पाठक सहित भारी मात्रा में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

हमीरपुर में सत्ताईसवीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज जोन की तीन दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

हमीरपुर (सैय्यद बासित अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज, जोन प्रयागराज के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने तीन दिवसीय, 27वीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज की पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता वर्ष 2025 के आयोजन का शुभारम्भ किया गया ।प्रतियोगिता 6.03.2025 से 8.03.2025 तक 27वीं प्रतियोगिता में आठ जनपदों में 6 जनपदों की टीमों ने जोरदार शिरकत की, पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमें और उनके सम्मानित प्रशिक्षकों से बात कर खेल भावना की उच्च मयार्दाओं के प्रति प्रतिबद्धता के लिये निर्देश दिए। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वालें पुलिस खिलाडियों को सम्मानित किया जायेगा ।

चार वर्षों से मृतक को देते रहे पेंशन, विवाद में हुआ खुलासा

संवाददाता

देवरिया। सदर तहसील के गौरी बाजार के रहने वाले बद्रीनारायण राय जिनकी मृत्यु 18 नवम्बर 2020 को हो गया, उसके बाद भी इनके छोटे बेटे श्रीप्रकाश राय द्वारा लगातार हर महीने पेंशन लिया जा रहा था,मरने के बाद भी लिया गया पेंशन का लाभ, हर वर्ष किया गया मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन, सिस्टम में दिखाया गया जीवित। चार वर्षों से मृतक शिक्षक ले रहा था पेंशन। दो भाइयों के विवाद में हुआ खुलासा। ट्रेजरी विभाग के बाबू की मिलीभगत से उठता रहा पेंशन। हर वर्ष हुआ मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन। मृत शिक्षक को जिंदा दिखाकर दी गई पेंशन। ट्रेजरी विभाग के बाबू को पटल से हटाया गया।अब इस पुरे मामले में धन की रिकवरी की जाएगी।

लोक अदालत में कुल 16 वादों का हुआ निस्तारण

संवाददाता

देवरिया। गुरुवार को जनपद यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया श्री देवेंद्र सिंह की मार्गदर्शन में लघु आपराधिक वादों के अन्तर्गत लम्बित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर, तथा ग्राम न्यायालय में किया गया। उक्त लोक अदालत में विभिन्न फौजदारी न्यायालयों के पीठासीन न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 16 वादों का निस्तारण किया गया।उक्त जानकारी श्री मनोज कुमार तिवारी, अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया द्वारा दी गयी।

अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन तलाक मिल जाता

महबूब आलम पर विधानसभा अध्यक्ष ने ली चुटकी, कहा- कितना झगड़ा करते हैं

पटना। बिहार विधानसभा में बजट सत्र का आज यानी गुरुवार को पांचवां दिन है। सदन की कार्यवाही प्रश्न काल के साथ शुरू हुई, वहीं कार्यवाही शुरू होते ही लेफ्ट के विधायक वेल में आ गए। लेफ्ट विधायकों ने रसोइया और सफाई कर्मियों का मानदेय 18 हजार करने की मांग को लेकर प्रोटेस्ट किया। स्पीकर बार-बार उन्हें बैठने के लिए कहते रहे। इस दौरान विपक्ष की नारेबाजी जारी रही। माले विधायकों के प्रदर्शन पर स्पीकर नंद किशोर यादव ने चुटकी लेते हुए महबूब आलम से कहा - 'आपके नाम में एक पाई खींच दी जाती तो आप महबूबा हो जाते। अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन

तलाक मिल जाता। कितना झगड़ा करते हैं आप।' वहीं प्रदर्शन कर रहे वाम दल के विधायकों को उट नीतीश कुमार ने कहा कि 'कोई समस्या है तो लिख कर दीजिए। हम उसे देखेंगे।' जिसके बाद माले विधायक अपनी सीट पर बैठ गए। सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई है।इधर, सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले लेफ्ट के विधायकों ने सदन के बाहर प्रदर्शन किया। पोर्टिको में प्रदर्शन करते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन 2000 करने की मांग की। साथ ही डोमिसाइल नीति को लेकर प्रदर्शन किया। नालंदा में महिला की हत्या का मामला विधानसभा में उठा। महिला के तलवे में कील

ठोंकी गई है। घोषी से माले विधायक रामबली यादव ने इसे उठाया, जिस पर स्पीकर ने कहा कि कल यानी शुक्रवार को सबसे पहले महिलाओं से जुड़े सवाल लिए जाएंगे। वहीं मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि 'नालंदा की घटना पर सीएम नीतीश कुमार को बयान देना चाहिए। मुख्यमंत्री बेबस हैं, वो सोच नहीं पा रहे हैं। कुछ अधिकारी हैं जो उनको चला रहे हैं। सरकार को जबरदस्ती चलाया जा रहा है। सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।'सदस्यता बहाल होने के बाद राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह अपने पुराने तेवर में दिखे। विधान परिषद पहुंचने पर उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाई। वहीं नालंदा की घटना पर कहा कि 'बिहार में भ्रष्टाचार और लॉ एंड ऑर्डर पर बात मत कीजिए। अब तो ये स्थिति है कि कोई महिला कहीं काम मांगने जाती है तो उसे क्या-क्या भुगतना पड़ता है।' 'किस तरह से रोज हत्याएं हो रही है। ये बताने की जरूरत नहीं है। लोगों की आवाज को पहले भी उठाता था। आगे भी हक के लिए आवाज उठाऊंगा।' आज सरकार थर्ड सप्लीमेंट्री बजट सदन में पेश करेगी। लंच के बाद वित्तीय कार्य में इसे पास कराया जाएगा। सत्र के सेकेंड हाफ में बजट 2025-26 पर चर्चा होगी।

लंच के बाद पूरे समय बजट पर चर्चा होगी।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में 7-8 मार्च को सौर्य वेदनम का आयोजन

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में 7 और 8 मार्च को गांधी मैदान में 'सौर्य वेदनम उत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना के जवान हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर संसदीय रक्षा समिति के अध्यक्ष राधामोहन सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। थल सेना के मध्य भारत के डीजी पदम सिंह शेखावत और बिहार-झारखंड के ब्रिगेडियर विकास भारद्वाज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें बोफोर्स तोप, के-90, केएनपी रॉकेट लॉन्चर और टैंक शामिल हैं। सेना की विभिन्न गतिविधियों का लाइव प्रदर्शन भी होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सेना से जोड़ना है। उन्हें अग्निवीर योजना की जानकारी दी जाएगी। साथ ही देशभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियां भी होंगी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। इससे वे देश की रक्षा सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान का भी अवसर है।

हथियार के साथ 8 बदमाशों की गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुबेरचक धनडीहा के समीप रेलवे छोटी पुलिया के पास से अपराध की योजना बना रहे आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी कुबेरचक धनडीहा रेलवे पुल के पास इकट्ठा हुए हैं और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की, लेकिन पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे। इसके बावजूद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गीधा थाना क्षेत्र के मटियारा गांव निवासी संजीव कुमार, नीलेश कुमार, रोशन कुमार, कोईलवर थाना क्षेत्र के कुबेरचक धनडीहा निवासी कुंदन कुमार उर्फ पंकज कुमार, कोईलवर के सकड्डी निवासी मुकेश कुमार राय, धीरज कुमार, मुफस्सिल थाना के जमीरा निवासी कन्हैया कुमार और पटना जिला के बिहटा थाना के डुमरी निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है।पुलिस जांच में पता चला कि गिरफ्तार बदमाशों में से दो के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। संजीव कुमार पर चार मामले दर्ज हैं, जबकि कुंदन उर्फ पंकज के खिलाफ तीन केस लंबित हैं। दोनों पहले से फरार चल रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि हाल के महीनों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में इनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इनमें मटियारा में क्रिकेट खेलते समय युवक पर फायरिंग, सकड्डी में जमीन कारोबारी पर गोली चलाने और टाउन थाना के धरहरा जमीरा रोड पर दुकान में हुई गोलीबारी जैसी घटनाएं शामिल हैं। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी। वहीं, संजीव कुमार इससे पहले बीरमपुर स्थित सीएसपी लूट कांड में जेल जा चुका है और दो महीने पहले ही रिहा हुआ था। पुलिस अब गिरफ्तार बदमाशों से गहराई से पूछताछ कर रही है और इनके अन्य आपराधिक गठजोड़ की पड़ताल की जा रही है।

गोली लगने से युवक घायल

आरा। के नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ले में बुधवार की देर शाम हथियारबंद बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड पेट में लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद परिजन इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ला वार्ड नंबर 44 निवासी गोविंद वर्मा का 24 वर्षीय पुत्र अभिनय कुमार है। जख्मी युवक स्नातक पास करने के बाद नौकरी की तैयारी करता है।घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर अभिनय कुमार ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक से आटा लाने के लिए गोढना रोड जा रहा था।

एक बुलेट पर सवार 4 दोस्त सड़क हादसे का शिकार

लखीसराय। में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। टाउन थाना क्षेत्र के बाइपास स्थित अशोक धाम मार्ग पर यह हादसा हुआ। चार दोस्त एक ही बुलेट बाइक पर सवार थे। शाम करीब चार बजे बीएड कॉलेज के सामने बाइक बेकाबू होकर पोल से टकरा गई। हादसे में आलोक कुमार (22) और पियूष कुमार (23) की मौके पर ही मौत हो गई। जय कुमार (22) और बाइक चला रहे सागर कुमार (24) गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक आलोक कुमार टाउन थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार स्थित बड़ी दरगाह वार्ड नंबर-8 निवासी संजय पंडित के इकलौते बेटे थे। पियूष कुमार सुनील चौधरी का बेटा था। घायल जय कुमार बड़ी दरगाह वार्ड-8 निवासी पिंटू पंडित के बेटे हैं। सागर कुमार शहर के नया टोला में रहते हैं। टाउन थाना पुलिस ने

घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। दोनों का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। इस मामले में एसपी ने बताया कि पोल से टकराने के कारण बाइक गढ्ढे में गिर गई। 4 लोग एक बुलेट बाइक पर सवार थे। 2 की मौत हुई है, 2 जख्मी है। चारों की पहचान हो गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आनंद मोहन का आशीर्वाद लेने गई थी- ज्योति सिंह

भोजपुरी। के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने बुधवार को चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो-चार दिनों के अंदर ही वह किसी न किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि जिस भी पार्टी से उन्हें मौका मिलेगा, वह चुनाव जरूर लड़ेंगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस सीट से चुनाव लड़ेंगी, इसकी घोषणा बाद में करेंगी। मीडिया से बात करते हुए ज्योति सिंह ने कहा, मैं हर जगह चुनाव के लिए नहीं आ रही हूं। हर चीज को चुनाव से आपलोग नहीं जोड़ सकते हैं। मैं पारिवारिक माहौल के लिए भी आती हूं। इन लोगों से मेरा पारिवारिक नाता है। लोकसभा चुनाव में जो लोगों से मेरा बॉन्ड रहा, उस नाते भी मैं अक्सर इन लोगों से मिल लेती हूं। इसके साथ ही पारिवारिक मुद्दों पर भी बात हुई

थी। बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए आनंद मोहन से मुलाकात पर कहा कि जो राजनीति में पहले से एंट्री मार चुके हैं, उनका आशीर्वाद तो लेना चाहिए। जब मैं राजनीति में आ ही गई हैं, तो जनता और नेताओं से मिलना-जुलना सामान्य बात है। मैं लोगों से जुड़ाव की वजह से उतरी हूं। एक समाजसेविका के रूप में उतरी हूं। लक्ष्य यही है कि जनता की सेवा करना है, उनका आशीर्वाद लेकर चलना है। महिलाओं ने किया भव्य स्वागत डेहरी ऑन सोन में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची ज्योति सिंह का वहां की महिलाओं ने भव्य स्वागत किया। उन्हें सिंदूर लगाया गया और खोईछा भी दिया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह समाज सेविका के रूप में लोगों से संवाद स्थापित कर रही हैं और उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। राजनीति में जल्द आएंगी खुलकर ज्योति सिंह ने बताया कि वह लगातार क्षेत्र में लोगों से मिल रही हैं। उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट से पवन सिंह के लिए जमकर प्रचार किया था, जिससे उनका जनता से भावनात्मक जुड़ाव हो गया। चुनाव हारने के बाद पवन सिंह क्षेत्र से दूर हो गए, लेकिन ज्योति सिंह लगातार लोगों से संपर्क बनाए हुए हैं।

वहीं, बुधवार को स्नेहा हत्याकांड को लेकर रोहतास में एक रैली निकली है। इसमें ज्योति सिंह भी शामिल हुई। उन्होंने कहा कि स्नेहा हत्याकांड में हम इंसाफ की उम्मीद करते हैं। चाहते हैं कि इसमें जल्द से जल्द सुनवाई हो। स्नेहा के माता-पिता के साथ मैं हूं।

मीना बाजार की 6 दुकान से 5.70 लाख की चोरी

मोतिहारी। के नगर थाना क्षेत्र के मीना बाजार में बुधवार की रात चोरों ने एक साथ 6 दुकानों के ताले तोड़कर करीब 5.70 लाख रुपए का माल पार कर दिया। घटना बुधवार रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि चोरों ने शिवम कुमार की मोबाइल दुकान, सुरेश कुमार की किराना दुकान, प्रकाश प्रसाद के जनरल स्टोर, सोनू कुमार की मोबाइल दुकान और आरिफ रजा के साइबर कैफे को निशाना बनाया। जहां शिवम कुमार की दुकान से 70 हजार रुपए नगद के साथ कई महंगे मोबाइल चोरी हो गए। बताया गया कि नाइट गार्ड ने रात 1:30 बजे दुकानदारों को चोरी की सूचना दी। दुकानदार

जब मौके पर पहुंचे तो दुकानों के शटर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने आरिफ के साइबर कैफे से चुराया गया प्रिंटर रास्ते में ही फेंक दिया। जांच में जुटी पुलिस नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। चोरों की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। हालांकि अभी तक दुकानदारों की तरफ से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। व्यापारियों में इस घटना को लेकर रोष है। उनका कहना है कि मीना बाजार शहर का प्रमुख व्यवसायिक केंद्र है। यहां रात में पुलिस गश्ती वाहन मौजूद रहता है। फिर भी इतनी बड़ी चोरी की वारदात हो गई। इससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

148 बोतल विदेशी शराब के साथ दो तस्करों गिरफ्तार

मोतिहारी। होली के त्योहार से पहले बिहार में शराब तस्करी के प्रयास तेज हो गए हैं। बता दें कि आबकारी विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से लाई जा रही 148 बोतल कस्तूरी शराब जब्त की है। आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद के नेतृत्व में टीम ने विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान नेपाल सीमा से दो संदिग्ध व्यक्तियों को बोरे के साथ आते देखा गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। हालांकि, टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पकड़े गए तस्करों की पहचान कोटवा निवासी कुंजेश कुमार और मन्नू कुमार के रूप में हुई है। दोनों के

पास से बरामद शराब की बोतलें दो बोरों में छिपाकर रखी गई थीं। विभाग ने तस्करों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

तस्करी पर रखी जा रही नजर आबकारी इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। होली के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। विभाग अवैध शराब की तस्करी पर सख्त नजर रख रहा है और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज

मुजफ्फरपुर। में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं। पूर्व मंत्री ने वर्तमान सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में अपराध चरम पर है। महिलाओं के साथ दिनदहाड़े अपराध हो रहा है। विशेष रूप से मुजफ्फरपुर में महिलाओं के खिलाफ कई शर्मनाक घटनाएं हुई हैं, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने नीतीश कुमार को 'मौनी बाबा' बताते हुए कहा कि उनका प्रभाव अब समाप्त हो चुका है। राज्य में बढ़ते अपराधों के लिए उन्होंने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। कार्यक्रम में शिवचंद्र राम ने कई लोगों को राजद की सदस्यता भी दिलाई। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज मुजफ्फरपुर में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं।

तलवों में कीलें ठोंकी, शरीर जख्मों से भरा था; महिला के साथ इस बर्बरता की चर्चा सड़क से लेकर सदन तक

नालंदा। की महिला के साथ हुए इस बर्बरता की चर्चा है विधानसभा में भी हुई। विपक्ष के नेताओं ने इस मामले नीतीश सरकार से सवाल पूछा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी महिला की निर्मम हत्या को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला।नालंदा में एक महिला की लाश मिली है। उसके साथ बर्बरता की गई है। इसका प्रमाण तस्वीर में दिख रहा है। महिला का शरीर जख्मों से भरा था। तलवों में कीलों ठोंकी गई थी। इतना ही नहीं हाथ में स्लाइन चढ़ाने का ड्रिप लगा हुआ था। बुधवार को हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास एनएन 30ए किनारे इस शव को देख लोग हैरान रह गए। आशंका है कि किसी ने निर्ममता पूर्वक महिला की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंक दिया है। गुरुवार को इस मामले की गूंज सड़क से लेकर सदन तक सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस मामले को लेकर विधानसभा में सवाल उठाया। हालांकि,

सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। आइए जानते हैं क्या कहा मामला...चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि बुधवार को नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास नेशनल हाईवे (30 अ) के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की उम्र करीब 26 वर्ष प्रतीत हो रही और उसकी लाश नाइटी में थी। दाहिने हथेली पर ड्रीप लगा था, जिससे ये पता चलता है कि महिला को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। अब तक यह बात सामने नहीं आ पायी है कि महिला को किस अस्पताल में एडमिट किया गया था।लोगों का कहना है कि महिला के दाहिने हाथ पर कोहनी से ऊपर पट्टी लगी है, जिससे ब्लड चढ़ाए जाने की आशंका है। हालांकि, महिला प्रेग्नेंट होने की भी आशंका है, लेकिन इस संबंध में अब तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। महिला

के दोनों तलवों में कुल नौ कीलें ठोकी मिली हैं। लेकिन, हैरानी की बात ये कि एक भी कील में खून लगा नहीं मिला है। जहां शव पाया गया वहां भी खून का धब्बा नहीं मिला है। प्रतीत होता है कि महिला की मौत के काफी देर बाद पैर में कील ठोंका गया है। पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला के शरीर पर राख लगा पाया गया है। हाथों में स्लाइन चढ़ाने वाली ड्रीप लगी है। आशंका है कि करंट लगने के बाद महिला को अस्पताल में एडमिट किया गया होगा। यहां मौत के बाद परिजन किसी ओझा के चक्कर में पड़ गए होंगे। लिहाजा उसकी लाश को ओझा या भगत के पास ले जाया गया होगा। यहां ओझा ने महिला के पैर में कील ठोंकी होगी, लेकिन जब महिला होश में नहीं आ पाई तो उसकी लाश को ओझा की ओर से ही यहां लाकर फेंक दिया गया होगा।

महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शर्म है कि आती ही नहीं! उनके गृह जिला में घटित इस रूह कंपकंपाने वाले वीभत्स कांड और दरिंदगी से भी अगर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता तो वह इंसान है नहीं!

वैसे इस घटना को भी बेशर्म भाजपाई और ठऊअ के सत्तालोलुप लोग राम राज्य की मंगलकारी घटना ही बतायेंगे और कहेंगे कि 15वीं शताब्दी में क्या होता था जी?

नई उलझन में पंजाब के टिचर ! एग्जाम से पहले पड़ा नया पंगा

उन्हें यहां से कौन निकालेगा इसका जवाब तो विभाग के पास भी नहीं है।

लुधियाना : स्कूलों में 7 मार्च से 5वीं कक्षा की परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं, जिसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा मूल्यांकन टूल उपलब्ध करवाने की योजना बनाई गई है। इस प्रक्रिया के तहत शिक्षा विभाग ने सभी प्राइमरी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी नई ईमेल आई.डी. बनाएं, ताकि इन आई.डी. पर मूल्यांकन टूल भेजे जा सकें। लेकिन यह व्यवस्था लागू होने से पहले ही स्कूलों व उनके शिक्षकों के लिए सिरदर्द बन गई है। हालात यह है कि पिछले 5 दिनों से स्कूल इस उलझन में फंसे हुए हैं लेकिन उन्हें यहां से कौन निकालेगा इसका जवाब तो विभाग के पास भी नहीं है।

जानकारी के मुताबिक अधिकांश स्कूलों ने समय रहते अपनी नई ईमेल आईडी बना ली और इन्हें विभाग को भी उपलब्ध करवा दिया, लेकिन इसके बावजूद कई स्कूलों को अब तक विभाग की वेलकम मेल प्राप्त नहीं हुई है। इस कारण वे विभाग की तरफ से कोई भी ईमेल प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, जिससे परीक्षा की तैयारियों में देरी हो रही है।

एक स्कूल के शिक्षक ने कहा कि हमने विभाग के निदेर्शों के अनुसार ई मेल आई.डी. बना ली, लेकिन विभाग अब इसे अपने सिस्टम से जोड़ने में असमर्थ दिख रहा है। कई बार मेल चेक करने के बावजूद हमें कोई सूचना नहीं मिल रही, जिससे हमारी योजना प्रभावित हो रही है। इसी तरह, एक अन्य शिक्षिका ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले कहा गया था कि मूल्यांकन टूल ई मेल के जरिए भेजे जाएंगे, लेकिन जब ई मेल आई.डी. पर कोई सूचना ही नहीं आ रही, तो हम इस व्यवस्था का लाभ कैसे उठाएं? विभाग को खुद इस प्रक्रिया को बेहतर ढंग से हैंडल करना चाहिए।इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण शिक्षकों में नाराजगी देखी जा रही है। विभाग द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप में इस विषय को लेकर लगातार चर्चा चल रही है, जिससे स्कूलों के अन्य जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कई शिक्षक लगातार विभाग से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। व्हाट्सएप ग्रुप में दिनभर इस समस्या पर चर्चा हो रही है। कोई कह रहा है कि सर्वर की दिक्कत है, कोई कह रहा है कि मेल भेजने में देरी हो रही है लेकिन असल समस्या यह है कि इस पूरी प्रक्रिया को खुद विभाग भी सही ढंग से संभाल नहीं पा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि विभाग को चाहिए कि वह इस प्रक्रिया को स्वयं संभाले और प्रत्येक स्कूल को व्यक्तिगत रूप से ई मेल आई.डी. जोड़ने और मूल्यांकन टूल भेजने में मदद करे। यदि समय रहते यह समस्या हल नहीं हुई, तो परीक्षाओं की तैयारी में बड़ी अड़चन आ सकती है। वहीं विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सभी स्कूलों की मेल आई.डी. को विभाग की ईमेल के साथ जोड़ लिया गया है, सभी स्कूलों को समय अपर मूल्यांकन टूल उपलब्ध होंगे।

राहगीरों को हथियार की नोक पर लूटने वाले गिरोह के 2 सदस्य काबू, बरामद हुआ ये सामान

लुधियाना : थाना बस्ती जोधेवाल की पुलिस ने राहगीरों को हथियार की नोक पर लूटने वाले गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया जबकि उनका एक साथी अभी तक फरार बताया जा रहा है। पत्रकार सम्मेलन के दौरान जानकारी देते हुए ए.सी.पी. नॉर्थ दविंदर कुमार चौधरी ने बताया कि थाना बस्ती जोधेवाल के प्रभारी इंस्पैक्टर जसबीर सिंह की पुलिस टीम ने 3 मार्च को विष्णु प्रताप यादव की शिकायत पर मोबाइल फोन लूटने का मामला दर्ज किया गया था। जांच करने के बाद राहगीरों से मोबाइल फोन लूटने वाले गिरोह के 2 मैंबरों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान ध्रुव कुमार पहलवान पुत्र विजय कुमार वासी मोहल्ला बाल सिंह नगर रोड और हरदीप सिंह हैप्पी पुत्र बलबीर सिंह वासी मोहल्ला वर्धमान नगर राहो रोड के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपियों से लोगों से लूटे हुए अलग-अलग कंपनी के 8 मोबाइल फोन, एक चोरी का मोटरसाइकिल और एक लोहे का दांत बरामद किया है। ए.सी.पी. चौधरी ने बताया कि आरोपियों का एक साथी अभी तक फरार है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस इलाके में छापेमारी कर रही है।

ए.सी.पी. दविंदर कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार किए हुए आरोपी हरदीप सिंह हैप्पी पिछले कई सालों से लूट और चोरी की वारदातें करने का काम कर रहा था जिस पर पहले भी थाना डिवीजन नंबर 6 में लूट का एक मामला 7 सितम्बर 2020 को दर्ज किया गया था जबकि दूसरा मामला 12 दिसम्बर 2024 को थाना डिवीजन नंबर 5 में दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी जमानत पर बाहर आया हुआ है उन्होंने बताया कि आरोपी जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद फिर से लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम देने लगा दोनों आरोपी नशा करने के आदी हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से सख्ती से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है जिसका खुलासा पुलिस आने वाले दिनों में कर सकती है।

जरा बच कर...सीएम मान ने पंजाब के वाहन चालकों को दी ये वार्निंग

पंजाब : पंजाबवासियों के लिए अहम खबर सामने आई है, दरअसल मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वाहन चालको आज चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज मोहाली में सिटी सर्विलांस-ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और ट्रैफिक सिस्टम का उद्घाटन किया है। अब चंडीगढ़ की तर्ज पर मोहाली में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगेंगे और ई-चालान काटे जाएंगे। दरअसल, मोहाली जिले में जगह-जगह पर 351 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले वाहन चालक बच नहीं पाएंगे। जिसके तहत सभी सड़कें पुलिस की निगरानी में होंगी और ये सभी कैमरे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस हैं। मिली जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ की तरह ही मोहाली में भी ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के ई-चालान काटे जाएंगे और चालान के साथ फोटो भी आएगी। इस दौरान सीएम मान ने कहा कि मोहाली में सबसे ज्यादा हादसे होते हैं। लोग ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं कर रहें हैं। लोगों की जान की सुरक्षा करना पंजाब सरकरा का फर्ज है। आपको बता दें कि आज मोहाली में सीएम मान ने 21 करोड़ रुपए की लागत से सिटी सर्विलांस सिस्टम और ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (फेज-1) का उद्घाटन किया है।

सीएम मान ने कहा आगे कहा कि, चंडीगढ़ के बाद सबसे ज्यादा हादसे मोहाली में होते है, क्योंकि लोग चंडीगढ़ से बाहर निकलते ही नियम तोड़ देते हैं। इसलिए अब चंडीगढ़ की तर्ज पर मोहाली में कैमरे लगाए गए हैं और 17 प्वाइंट चुने गए हैं, जहां से मुख्य ट्रैफिक आता-जाता है। लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि अगर पुलिसवाला नहीं रोक रहा है तो उन्हें रेड लाइट जंप कर देनी चाहिए क्योंकि अब लाइट पुलिस की है और चालान आपके घर पहुंच जाएगा

और उसके साथ फोटो भी आएगी। इस मौके पर सीएम मान ने कहा कि नशे को लेकर पंजाब सरकार का युद्ध जारी है। नशा करने वाले का कोई कसूर नहीं है। नशा बेचने वालों पर नकेल कस रहे हैं। नशा बेचने वाले की जानकारी दें और नशे के आदी युवाओं को जेल भेजने का कोई फायदा नहीं है। नशा बेचने वालों पर नकेल कसी जाएगी। इसके साथ ही नशे की आदी लोगों को पंजाब सरकार रोजगार देगी।

फार्मर पोटेस्ट को लेकर किसान बना रहे अगली रणनीति

भवानीगढ़ : केंद्र सरकार की तरह पंजाब सरकार भी किसानों से किए वादों से मुकर गई है और किसानों से बातचीत करने से भागने के बाद अब पंजाब सरकार हिटलर की तरह दमन नीति पर उतर आई है। यह विचार पुलिस द्वारा देर शाम रिहा किए भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने गांव घराचों में चल रहे धरने पर पहुंच कर किसानों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा की राज्य कमेटी आगे जो भी निर्णय और एक्शन होगा, उसे उसी रूप में स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के कारण उनकी अभी तक संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं से कोई बातचीत नहीं हो पाई है। इसलिए फिलहाल उन्हें संयुक्त मोर्चा द्वारा लिए गए निर्णय के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक पंजाब सरकार के इशारे पर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए किसानों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक इसी तरह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।kपत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष उगराहां ने कहा कि सरकार के सामने सभी कमजोर हैं, लेकिन किसान न तो कमजोर हैं और न ही गिरफ्तारी से डरते हैं। इसीलिए किसान शांतिपूर्वक तरीके से चंडीगढ़ जाने के लिए अपने घरों से निकले, लेकिन सरकार ने पूरी ताकत लगा दी और किसानों को जाने से रोकने के लिए सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। किसानों ने सड़कों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन शुरू कर दिया और किसानों ने सड़कों पर कोई यातायात नहीं रोका। इसके विपरीत, भारी पुलिस तैनाती और सड़कों के बीच लगाए गए बैरिकेड्स के कारण यातायात समस्याएं उत्पन्न हुई।

इस अवसर पर जनक सिंह भुटाल, राज्य प्रचार सचिव जगतार सिंह कालाझाड़, जिला अध्यक्ष अमरीक सिंह गंढुआ, जिला मानसा के दर्शन सिंह चंगालीवाला सहित कई अन्य किसान नेता भी उपस्थित थे।

हद हो गई! बड़े चाव से शोरूम से निकलवाई स्कूटरी, सड़क पर उतरते ही

जालंधर : जालंधर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने बड़े उत्साह के साथ शोरूम से बाहर निकाली गई स्कूटरी का इस तरह स्वागत किया कि पूरा परिवार चक्करों में पड़ गया। दरअसल, बस्ती अड्डा के पास मछली मार्केट के पास ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेलमेट पहने एक स्कूटरी चालक को रोका तो पता चला कि चालक शोरूम से नई स्कूटरी खरीद कर लाया था। स्कूटरी चालक ने चौकी पर तैनात एएसआई हरविलास सिंह, सुरेश कुमार और राज कुमार से बार-बार विनती करते हुए कहा, "साहब, अभी तो पूजा भी नहीं हुई है, कृपया चालान मत काटो।" क्योंकि उसने करीब 1 लाख 10 हजार की कीमत की नई स्कूटरी किश्तों पर खरीदी है।इतना ही नहीं, चालक ने फोन पर एक प्रभावशाली व्यक्ति से बात करने की भी कोशिश की, लेकिन ट्रैफिक पुलिस ने किसी की एक न सुनी और स्कूटरी का चालान काट दिया। एएसआई हरविलास सिंह ने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

एक्शन मोड में लुधियाना मेयर, कर्मचारियों को दी वार्निंग

लुधियाना : लुधियाना मेयर आजकल एक्शन मोड में नजर आ रही है। दरअसल, गुरुवार सुबह देरी से आने वाले निगम कर्मियों की हाजिरी लगवाने खुद पार्किंग में पहुंची। यहां तक कि अटेंडेस शीट हाथ में लेकर खुद अकेले अकेले की हाज़िरी मार्क की। यहां तक की देरी से आने वालों की फटकार लगाते हुए समय पर आने की चेतावनी दी। बता दें कि इससे पहले भी मेयर ने कर्मचारियों की हाजिरी चेक करने के लिए नगर निगम जोन ए कार्यालय का औचक निरीक्षण किया था। नगर निगम कर्मचारियों को शहर में शिविर लगाने के भी निर्देश दिए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। मेयर ने कहा कि कर्मचारियों को कार्यालयों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं ताकि जनता को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

केंद्रीय जेल में कैदियों के बीच खूनी झड़प, लोहे की राड़ से किया लहुलुहान

बठिंडा : केंद्रीय जेल में कैदियों के 2 गुटों के बीच झड़प हो गई, जिसमें 1 कैदी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी पहचान गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई, जो हत्या के मामले में सजा काट रहा है। हमलावर कैदियों ने लोहे की रॉड से उस पर हमला किया, जिससे उसके सिर और बाहों पर गंभीर चोटें आईं। गुरप्रीत सिंह ने बताया कि करीब आधा दर्जन कैदियों ने उस पर पीछे से हमला कर दिया। उसने बताया कि वह अकेला था और हमलावर 5 से 6 लोग थे। किसी ने उसे नहीं बचाया। गंभीर हालत में उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

घायल कैदी के पिता सुरजीत सिंह, जो खुद भी पहले बठिंडा जेल में सजा काट चुके हैं, उन्होंने बताया कि कैदी जेल के अंदर ही हथियार बना लेते हैं।

उनके अनुसार जेल के बाथरूम और खिड़कियों में लगी लोहे की ग्रिल, जब पानी से खराब हो जाती है तो कैदी उन्हें उखाड़कर धारदार हथियार बना लेते हैं और फिर कंबल में छिपा लेते हैं। दूसरी ओर इस मामले में अभी तक जेल प्रशासन या पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घायल कैदी गुरप्रीत ने हमलावरों में से एक का नाम रितिन बताया, लेकिन बाकी हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं इस घटना ने केंद्रीय जेलों की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

खबर एक्सप्रेस

अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीयों के मामले में ईडी की इनटरी, 11 यात्रियों को समन जारी

पंजाब : अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीयों का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। इसी बीच बड़ी खबर सामने आई है कि अमेरिका से डिपोर्ट हुए 11 अवैध अप्रवासियों को ईडी ने समन भेजा है। इसने अपराध की आय का पता लगाने के लिए पीएमएलए के तहत एक जांच भी शुरू की है। डंकी रूट से अमेरिका भेजने में शामिल ट्रैवल एजेंटों पर शिकंजा कसने के लिए ये कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही इन 11 लोगों को ईडी ने जालंधर में कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा है। ईडी ने जिन 11 लोगों के समन भेजा है उनमें से 10 पंजाब के हैं और एक हरियाणा से संबंधित है। डिपोर्ट हुए लोगों की जांच के बाद आंकड़ों में सामने आया है कि 44 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान ट्रैवल एजेंटों को किया गया था। डंकी लगा कर अमेरिका पहुंचने के लिए एक व्यक्ति ने 40 से 50 लाख के करीब का भुगतान किया था। इसके बाद ईडी ने जांच शुरू कर डिपोर्ट किए गए 11 लोगों की जानकारी इकट्ठा कर जांच शुरू की है। आपको बता दें कि ट्रम्प सरकार द्वारा अवैध रुप से अमेरिका में रह रह लोगों पर सख्त एक्शन लिया गया और भारतियों को डिपोर्ट किया गया। डिपोर्ट किए गए लोगों में 131 पंजाब से संबंधित है। इसके बाद इस मामले में जांच शुरू की गई है ताकि ट्रैवल एंजेंटों पर शिकंजा कंसा जा सके।

जांलधर में दिल दहला देने वाली घटना, दहशत में लोग, मौके पर भारी पुलिस

जालंधर : जालंधर से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, यहां सेखे गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब जालंधर होशियारपुर रोड से एक व्यक्ति की खून से लथपथ लाश मिली है। मृतक की पहचान गांव वासियों द्वारा बताई जा रही है लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। जांच के बाद आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार राहगीर ने शव पड़ा देख घटना की सूचना थाना मकसूदा की पुलिस को दी। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं पुलिस का कहना मृतक इलाके में किराये के मकान में रहता था। घटना को लेकर आस-पास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थाना मकसूदा के रलड बलवीर सिंह ने बताया कि उन्हें कंट्रोल रूम पर हत्या कर शव फेंकने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में रखवा दिया है।

जालंधर हाईवे पर बड़ा हादसा, सड़क पर बिखरे शरीर के अंग, आधार कार्ड से हुई पहचान

जालंधरः जालंधर-दिल्ली हाईवे पर एक दर्दनाक हादसे में गोराया के युवक-युवती की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि दोनों के शरीर के अंग सड़क पर बुरी तरह बिखर गए। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि देर रात एक युवक और युवती मोटरसाइकिल पर गोराया से फिल्लौर की ओर आ रहे हैं। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और वाहन दोनों के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनके शरीर के अंग सड़क पर बुरी तरह बिखर गए। महिला की हालत ऐसी हो गई कि उसे पहचानना मुश्किल हो गया, जबकि युवक के चेहरे पर गाड़ी चढ़ने से उसका चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। युवक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान आनंद सिंह पुत्र कृपाशंकर निवासी गोराया के रूप में हुई, जबकि महिला की पहचान सीमा निवासी गोराया के रूप में हुई। हादसे में मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके बाद अज्ञात वाहन का चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पंजाब में रूह कंपा देने वाला हादसा, मंजर देख उड़ गए होश, 3 की मौके पर मौत

गुरदासपुर : सीमावर्ती जिला गुरदासपुर के अंतर्गत गांव सेखवां के पास पराली की गांठें ले जा रहे ट्राले से टकराने के बाद दो कारें पलट गईं। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के मृतकों में दो एन.आर.आई. बताए जा रहे हैं। यह हादसा इतना भयानक था कि कारों के परखच्चे उड़ गए। वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस बीच, सेखवा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है और पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब में लगातार 2 छुट्टियां, लग गई मौज

पंजाब : पंजाब में लगातार 2 छुट्टियां आ रही है। पंजाब सरकार द्वारा राज्य में 8 मार्च शनिवार को आरक्षित छुट्टी घोषित की गई है, जोकि सरकारी कर्मचारियों के लिए होगी। आपको बता दें कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। इसके साथ ही अगले दिन रविवार होने के कारण बच्चों की मौज लग गई है। यहां बता दें कि पंजाब सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए घोषित आरक्षित छुट्टियों की सूची में यह छुट्टी भी शामिल है। जारी हुई नोटिफिकेशन के मुताबिक, सरकारी कर्मचारी साल में 2 आरक्षित छुट्टियां ले सकते हैं। हालांकि 8 मार्च को राज्य के स्कूल-कॉलेज आम जैसे ही खुले रहेंगे। लेकिन सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी लेने का विकल्प होगा। यानि की अगर सरकारी कर्मचारी इस दिन छुट्टी लेना चाहता है तो वह इस छुट्टी का लाभ ले सकता है। वहीं देशभर में होली का त्योहार 14 मार्च को मनाया जा रहा है। इसे देखते हुए पंजाब सरकार ने इस दिन छुट्टी का ऐलान किया है। इस दिन राज्य भर में स्कूल, कॉलेज और कार्यालय बंद रहेंगे।

पंजाब के स्टुडेन्ट के लिए बड़ी खबर, अब हर महीने मिलेंगे 3 हजार रुपये

पंजाब : पंजाब सरकार द्वारा लगातार विद्यार्थियों के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। पंजाब सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम शुरू करने के लिए ग्रांटें जारी कर दी है। इसके बाद इस ग्रांट का उपयोग विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग देने के लिए किया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों को सरकार द्वारा 2 महीने के लिए 1500 रुपये प्रति माह का वजीफा दिया जाएगा। इसके साथ ही जिस संस्थान में विद्यार्थी अप्रेंटिसशिप करेंगे उन्हें भी विद्यार्थियों को 1,500 रुपये प्रति माह का वजीफा देना होगा। इसके बाद विद्यार्थियों को कुल 3,000 रुपये प्रति माह का वजीफा मिलेगा। इसके लिए सिर्फ उन विद्यार्थियों को चुना गया है जो 12वीं कक्षा के बाद अप्रेंटिसशिप के इच्छुक हैं। अप्रेंटिसशिप के 2 महीनों के बाद अगर कंपनी और विद्यार्थी चाहें तो इसकी अवधि को बढ़ाया जा सकता है। हालांकि 2 महीने के बाद सरकार द्वारा वजीफा नहीं दिया जाएगा सिर्फ संस्थान ही विद्यार्थियों को वजीफा देगा। अप्रेंटिसशिप 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के बाद अप्रैल-मई-जून में करवाई जाएगी। यह कार्यक्रम पंजाब के विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक होगा, क्योंकि इससे उन्हें अपना कौशल निखारने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी।

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्वद्/स्ररुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्वद्/स्ररुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्स- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशन- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुण- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्बद्ब (एंग II) - एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और मांसिक स्वास्थ के लिए एक रिस्क फैक्टर्स माना जाता है. हालांकि, परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययनों ने पर्याप्त जांच नहीं की है.

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएंगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गईं। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोन्नाला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

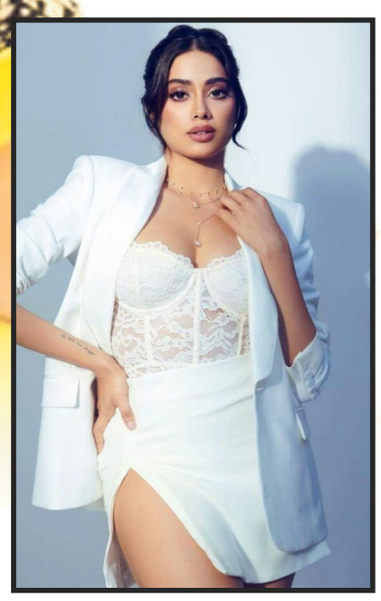

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एडम्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सुरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुई

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएंगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।